दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
• Since : 2004
/// कदम बढ़ाये, सच के साथ ///
वर्ष : 12 | अंक : 254 टोंक | मंगलवार,27 मई, 2025 | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष अमास्या संवत्-2082 |भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | RNI NO. RAJHIN/2013/52026 | मूल्य : ₹ 4.00 | पृष्ठ : 08

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निवाई में विशाल तिरंगा यात्रा का हुआ आयोजन, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। जम्मूकश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में और भारतीय सेना के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार सोमवार को निवाई शहर में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत यह यात्रा निवाई के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जन-एकजुटता में से एक रही।

वैदिक मंत्रों के साथ हुई शुरुआत : तिरंगा यात्रा की शुरुआत कंकाली माता मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई। विधायक रामसहाय वर्मा (निवाई-पीपलू), विधायक राजेंद्र गुर्जर (देवली-उनियारा), नपाध्यक्ष दिलीप इसरानी, भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, और शहर मंडल अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

ऐतिहासिक मार्ग से होते हुए विशाल जनसभा में तब्दील : तिरंगा यात्रा गणगौरी बाजार, खारी कुई, सराफा बाजार, चौहटी बाजार, बिलाल मार्केट, पुरानी सब्जी मंडी, बड़ा बाजार, पटेल रोड, और बस स्टैंड पहुंची, जहां एक विशाल जनसभा का आयोजन हुआ।

देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण : सभा को विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, जिला प्रमुख सरोज बंसल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, और प्रधान राम अवतार लांगड़ी ने संबोधित किया। विधायक वर्मा ने अपने उद्बोधन में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल महिला कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की वीरता की सराहना की। विधायक राजेंद्र गुर्जर ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए कहा, भारतीय सेना ने भुखमरी से जूझ रहे पाकिस्तान को नाको चने चबवा दिए हैं। चंद दिनों की कार्रवाई में ही उसे घुटनों पर ला दिया गया। पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने क्षेत्र के शहीद रामकरण खाती की वीरांगना को सम्मान देते हुए गांव में प्रतिमा स्थापना हेतु 2 लाख रुपये की घोषणा की। नपाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने 80 फीट रोड पर शहीद स्मारक निर्माण की घोषणा की।

हजारों की संख्या में जनता का उत्साह

इस यात्रा में नगर पालिका पार्षद, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता, पूर्व सैनिक और सभी वर्गों के लोग शामिल रहे। हजारों की संख्या में पुरुष और महिलाएं हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए, जिससे पूरा शहर 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फ्रूट मंडी के गोदाम एवं दुकानों से फलों के नमूने लिए

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त व औषधि नियंत्रण एच गुइटे के निर्देश पर आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने के लिए शुद्ध आहार-मिलावट पर वार के तहत सोमवार को निवाई की फ्रूट मंडी व सोहेला कस्बे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कार्यवाही की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदनलाल गुर्जर ने ग्राम सोहेला तथा सत्यनारायण गुर्जर ने निवाई की फ्रूट मंडी मे संचालित फर्मों एवं गोदामों का औचक निरीक्षण कर फल-फ्रूट (सेब, आम, केला, पपीता, अंगूर, तरबूज, टमाटर, हरी मिर्च इत्यादि) का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान फल व सब्जियों को प्रतिबंधित रसायनों से पकाए जाते हुये पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के कार्यवाही की जाएगी।

सीएमएचओं ने बताया कि विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि फल व सब्जियां जिन्हें कैल्शियम कार्बाइड से कृत्रिम रूप से पकाये गया हो या पकाये जाने की आशंका हो, सिंथेटिक डाई या रासायनिक संरक्षक पाये गये हो, अंगूर व सेब पर अत्यधिक वैक्स, कोटिंग या कीटनाशक टॉक्सेज मौजूद हो, को खरीदने व सेवन करने से पूर्व विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संदेहास्पद मामलों की सूचना विभाग को व्हाट्सएप नंबर 9462819999 पर दे सकता है।

मालपुरा क्षैत्र की पुलिस ने वाछिंत अपराधियो की धरपकड़ की

खबरे छापने के नाम से धमकिया देने व रूपये एठने वाला पत्रकार भी हुआ गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा क्षैत्र की पचेवर एवं लाम्बाहरिसिंह पुलिस ने वाछिंत अपराधियो की धरपकड़ अभियान में पचेवर पुलिस ने खबरे छापने के नाम से ब्लेकमेल करने वाला पत्रकार को भी गिरफ्तार किया है। पचेवर पुलिस थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकाास सांगवान के आदेशानुसार व एएसपी मोटाराम बेनीवाल व वृताधिकारी आशिष प्रजापत के मार्गदर्शन में थानाधिकारी पचेवर के नेतृत्व में राजकार्य में बाधा के वाछिंत आरोपी गिरफ्तार कियार गया है। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि 29 अगस्त 2023 को ग्राम विकास अधिकारी मोहम्मद हनीफ एक रिपोर्ट पेश की। जिसमें भोजलाई मालियो की ढाणी में रास्ते के अतिक्रमण हटाने के दौरान रामकिशोर पुत्र बद्रीलाल, रामदेव पुत्र श्योचन्दा, रामप्रसाद पुत्र बन्नालाल , जीतराम पुत्र रामकरण व अन्य कुछ महिलाओ द्वारा प्रशासन व पुलिस टीम के साथ राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान किया गया। इस प्रकरण के वाछिंत आरोपी रामप्रसाद सैनी पुत्र बन्नालाल सैनी निवासी पचेवर ने अपने समाज के कुछ लोगो को उकसा प्रशासन द्वारा रास्ते पर हटाए जा रहे अतिक्रमण को लेकर विवाद उत्पन्न कर राजकार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया। जिस पर पुलिस ने आरोपी रामप्रसाद सैनी के द्वारा लोगो को खबरे छापने के नाम पर डराने धमकाने ब्लेकमेल कर रूपये एठने की लगातार शिकायते प्राप्त होना पाया। गिरफ्तार आरोपी रामप्रसाद पर वर्ष 2021, 2023 व 2025 सहित तीन मामले दर्ज हो चुके हैं।

मामले का अनुसंधान के बाद पुलिस ने इस प्रकरण के वाछिंत रामप्रसाद निवासी पचेवर को गिरफ्तार किया है। इधर लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी राजकुमार ने बताया कि पिछलें दो साल से वाछिंत व पांच हजार रूपये के इनामी जिला स्तरीय टांप 10 की श्रेणी के स्थाई वारन्टी अवधेश कुमार उर्फ उदेश उर्फ उदयसिंह पुत्र विनोद उर्फ विनोदसिंह उम्र 30 साल निवासी खाचरोल पुलिस थाना माण्डलगढ़ जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है।

प्रस्तावित नए बस स्टेण्ड को लेकर जलदाय मंत्री ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जनसुनवाई कर सम्बन्धित अधिकारियो को जनहित के काम प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी अपने मालपुरा प्रवास के दौरान जनसुनवाई कर प्रस्तावित नए बस स्टेण्ड का मौका मुआयना कर अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी मालपुरा प्रवास के दौरान तिरंगा यात्रा में शामिल होने के बाद अनेक कार्यक्रमो में शामिल हुए। जिसमें चौधरी सर्वप्रथम पुराने भाजपा शहर कार्यालय में सैकड़ो कार्यकताओं के साथ मौजुद रहकर मन की आवाज कार्यक्रम में शिरकत कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को ध्यान से सुना। इसके बाद डाक बंगला पहुंच कर पहले आम जन की जनसुनवाई की। जिसमें मुख्य रूप से अजमेर रोड स्थित आवासीय कालोनियो के निवासियो ने कालोनीयो में सड़के व नालिया निर्माण करवाने की मांग रखी। इसके अलावा पानी बिजली सहित आम जन से जुड़ी अन्य मूलभूत समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियो को आम जन से जुड़ी मूलभूत समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान चौधरी ने अधिकारियो से कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेश वासियो को हर प्रकार से राहत देने का काम कर रही है। साथ ही सरकार मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए सभी अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर रखे हैं। ऐसे में अधिकारियो को चाहिए कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार कार्य कर व आम जन को शीघ्र राहत देने का कार्य कर अपने नैतिक दायित्व को पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार चाहती है कि प्रदेशवासी अपनी स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए जिला अथवा राजधानी स्तर तक नहीं पहुंचे। लेकिन यह तब ही संभव है कि स्थानीय अधिकारी आम जन से जुड़ी मूलभूत समस्याओं का समाधान शीघ्र स्थानीय स्तर पर ही देगें। जनसुनवाई के बाद चौधरी डाक बंगले के निकट ही बन रहे बस स्टेण्ड स्थल का मौका मुआयना किया। चौधरी ने इस मौजुद अधिकारियो से प्रस्तावित बस स्टेण्ड का कार्य शीघ्र शुरू कर निशि चत समयाविधि में पूर्ण करें। जिससे मालपुरा शहर व क्षैत्र की जनता को नए बस स्टेण्ड की सौगात अपने निर्धारित समय में ही मिल सके। प्रस्तावित नए बस स्टेण्ड के औचक निरीक्षण के दौरान पालिका के प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट ने प्रस्तावित नए बस स्टेण्ड निर्माण की सम्पूर्ण रूपरेखा रख कर निर्माण का नक्शा भी सामने रखा। जिस पर जलदाय मंत्री ने संतुष्टि प्रदान कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश प्रदान किए।

जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : शुभम

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं की प्रगति, जनसमस्याओं के निस्तारण की स्थिति तथा गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि समस्त विभागीय अधिकारी उनके विभागों की योजनाओं एवं गतिविधियों को गम्भीरता से लेते हुए आमजन तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं त्रिस्तरीय जनसुनवाई, सम्पर्क पोर्टल, समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त प्रकरणों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल देते हुए स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे जनसुनवाई प्रकरणों का निस्तारण सात दिवस के भीतर

करें तथा समाधान से पूर्व परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित करें। उन्होंने सरकार के निर्देशानुसार गौशालाओं को अनुदान प्रदान करने हेतु जिले की समस्त गौशालाओं का उपखण्ड अधिकारी एवं पशु चिकित्सों द्वारा संयुक्त निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा, विद्युत व पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष चर्चा करते हुए पीएचईडी व विद्युत विभाग को निर्बाध पेयजल एवं बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अधिकारी फील्ड में नियमित निरीक्षण करें, योजनाओं का भौतिक सत्यापन करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा ने बैठक के दौरान अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग बीएस मीना, जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना, सीएमएचओं डॉ. अनिल कुमार जैमिनी सहित वीसी के माध्यम से समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित उपखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

"कैच द रैन 2025" एक राष्ट्रीय अभियान : शक्तिकांत सिंह

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। जल शक्ति अभियान के तहत ''कैच द रैन 2025'' को लेकर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के केंद्रीय नोडल अधिकारी एवं निदेशक श्री शक्तिकांत सिंह ने जल की बचत और संरक्षण को लेकर किये गए कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा भी मौजूद रही।

निदेशक श्री सिंह ने कहा कि कैच द रैन-2025 एक राष्ट्रीय अभियान है। इसका मुख्य फोकस वर्षा जल की बचत और संरक्षण है। इसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जल संचय में जन जागरूकता और जन भागीदारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यह अभियान 22 मार्च 2025 से 30 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसमें प्री मानसून से पूर्व कराएं गए कार्यों को मानसून के बाद जल संरक्षण में उनकी उपयोगिता को देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि वे 3 दिन जिले में पूर्ण, प्रगतिरत और आगामी दिनों में कराएं जाने वाले कार्यों का अवलोकन करेंगे। बैठक में जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधीक्षण अभियंता ओमप्रकाश देवनानी ने जिले में जल संरक्षण के तहत पूर्ण हुए कामों की जानकारी दी। साथ ही, प्रगतिरत एवं आगामी दिनों में कराएं जाने वाले कार्यों की योजना के बारे में बताया। जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों के बारे में जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय जल आयोग के उप निदेशक अल्ताफ हुसैन, जिला वन मंडल अधिकारी मरिय ए शाइन, जिला परिषद के सीईओ परशुराम धानका, बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध बजरी खनन : 'राजस्थान' के 12 जिले टॉप पर, अधिकतर मामलों में अनुसंधान अधूरा,जांच की रफ्तार धीमी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राजस्थान में बजरी की वैध खानों की कमी से बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। राज्य के आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में बजरी खनन माफिया हावी है। इनमें भीलवाड़ा, टोंक, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, जालोर, बालोतरा, ब्यावर जिले मुख्य हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री की ओर से ली गई समीक्षा बैठक में भी अवैध खनन का मामला उठा था। अवैध खनन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी कर रही है, लेकिन अनुसंधान (जांच) प्रभावी नहीं होने से खनन माफिया बेखौफ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खान विभाग की ओर से अलग-अलग मामले दर्ज किए जाते हैं। खान विभाग तो बजरी के साथ सभी प्रकार के खनिजों के अवैध खनन के मामले दर्ज कर रहा है, लेकिन पुलिस की बजरी पर ही ज्यादा नजर है , लेकिन मिलीभगत के खेल में यह कार्रवाई प्रभावी साबित नहीं हो रही।

इधर, खान विभाग का एक्शन, 677 मामले पकड़े : उधर, खान विभाग की ओर से बजरी के अवैध खनन को लेकर अलग से कार्रवाई की गई है। इस वर्ष अब तक राज्यभर में अवैध बजरी खनन के 677 मामले दर्ज किए हैं, इनमें से 129 प्रकरणों में एफआइआर दर्ज कराई गई है। इस दौरान 626 वाहन जब्त कर 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे 2.7 करोड़ रुपए की जुर्माना राशि वसूल की गई है।

जांच अधूरी : पुलिस ने इस साल अब तक 1953 मामले दर्ज किए हैं। लेकिन इन मामलों में जांच की रफ्तार धीमी है। करीब 1002 मामलों में तो अभी अनुसंधान ही अधूरा चल रहा है। वहीं 25 मामलों को रफा-दफा कर एफआर दी जा चुकी है। वहीं 926 मामलों में चालान किया जा चुका है। खनन माफिया से कार्रवाई के दौरान 2749 वाहन भी जब्त किए गए हैं।

सम्पादकीय

शेयरधारकों के हितों को वरीयता देने की जरूरत

भारतीय कंपनियों में स्वामित्व ढांचा देश में कंपनी संचालन की दशा-दिशा पर व्यापक प्रभाव डालता रहा है। बीएसई 100 सूचकांक में लगभग 65 फीसदी कंपनियां परिवार नियंत्रित या परिवार संचालित हैं। प्रमुख सूचकांकों से इतर दूसरे सूचकांकों में ऐसी कंपनियों की तादाद और अधिक है जहां परिवार का नियंत्रण अधिक होता है। निफ्टी 500 सूचकांक के आंकड़े भी इसको पुख्ता करते हैं। इस सूचकांक में शामिल कंपनियों में दिसंबर 2015 तक प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 54.5 फीसदी थी, जो जून 2020 तक बढ़कर 58.9 फीसदी हो गई। फिलहाल उनकी हिस्सेदारी 51 फीसदी है। प्रवर्तकों की हिस्सेदारी उच्चतम स्तरों से जरूर नीचे आई है मगर यह अब भी संस्थागत निवेशकों एवं अन्य सभी शेयरधारकों की संयुक्त हिस्सेदारी से अधिक है। स्वामित्व एवं नियंत्रण एक जगह केंद्रित रहने के वर्तमान माहौल में बाहरी निवेशक तभी निवेश करने के लिए तैयार होंगे जब उनका कंपनी के संचालन एवं नेतृत्व पर पूरा भरोसा होगा। किसी कंपनी का संचालन मूल रूप से नियामकों, निदेशकमंडल (बोर्ड), प्रबंधन, शेयरधारक और वृहद अंशधारकों के बीच आपसी संवाद एवं संबंधों का नतीजा होता है, इसलिए इन संबंधों में संतुलन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में नियम-कायदे की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत के संदर्भ में कई बातें साफ तौर पर दिखाई देती हैं। उनमें एक है निदेशकमंडल को सीमित अधिकार। बोर्ड में प्राय: अधिक हिस्सेदारी रखने वाले शेयरधारकों की मौजूदगी रहती है इसलिए नियामकों की सोच यह रही है कि प्रमुख निर्णय लेने का अधिकार शेयरधारकों के पास होना चाहिए न कि बोर्ड के पास। इसका नतीजा है कि शेयरधारकों को विभिन्न प्रकार के मामलों- रकम जुटाने, कारोबार पुनर्गठन और चार्टर डॉक्यूमेंट में संशोधन से लेकर न्यूनतम वित्तीय असर डालने वाले मामलों जैसे सचिवीय लेखा परीक्षक या दस्तावेज भेजने पर डाक खर्च माफ करने आदि- पर मत डालने के लिए कहा जाता है। मोटे तौर पर बोर्ड द्वारा आगे की प्रक्रिया शुरू करने से पहले 30 से अधिक ऐसे मामले हैं जिन पर शेयरधारकों की सहमति जरूरी होती है। यह स्थिति अमेरिका जैसे देशों से उलट है जहां शेयरधारक बोर्ड को महत्त्वपूर्ण अधिकार देते हैं जिनका इस्तेमाल कर बोर्ड अपने हिसाब से निर्णय लेता है। नियामकों ने एक दूसरा सुरक्षात्मक प्रावधान यह दे रखा है कि प्रवर्तक समेत सभी शेयरधारकों को मतदान में हिस्सा लेना जरूरी है मगर कोई प्रस्ताव पारित होने के लिए निश्चित मतों की जरूरत होती है। कुछ मामले साधारण प्रस्ताव से भी पारित हो जाते हैं। ऐसे मामलों में पक्ष में विपक्ष की तुलना में अधिक मतों की आवश्यकता होती है। इनके बाद विशेष प्रस्ताव आते हैं जिनके पारित होने के लिए किसी प्रस्ताव के पक्ष में पड़े मतों की संख्या इसके खिलाफ मतों की संख्या के तीन गुना से अधिक होनी चाहिए। एक दशक पहले एक नई श्रेणी के प्रस्ताव आए जिन्हें 'अल्पांश शेयरधारकों का बहुमत' (मेजॉरिटी ऑफ मायनॉरिटी) प्रस्ताव का नाम दिया गया। ऐसे प्रस्तावों के पारित होने के लिए पक्ष में अल्पांश अंशधारकों के कुल मतों का 50 फीसदी हिस्सा होना जरूरी है।

इनमें प्रवर्तक या संबंधित पक्ष के पास मत डालने का अधिकार नहीं होता है। निफ्टी 500 कंपनियों के मामले में शेयरधारकों एवं मतदान के नतीजों से जुड़े आंकड़ों के अध्ययन दिलचस्प प्रवृत्ति दिखाते हैं। नियामकों द्वारा नियंत्रण एवं संतुलन के उपाय करने के बावजूद किसी प्रस्ताव के पक्ष में 64.4 फीसदी मत और विपक्ष में महज 1.2 फीसदी मत हैं, जबकि 34.4 फीसदी शेयरधारक मतदान से अनुपस्थिति रहे। इस तरह, अनुपस्थित रहने वाले मतदाताओं को छोड़ दें तो प्रस्तावों के लिए समर्थन बढ़कर 98.15 फीसदी तक पहुंच जाता है और असहमति जताने वाले मत केवल 1.85 फीसदी रह जाते हैं। इस तरह, 99.5 फीसदी प्रस्ताव बिना किसी बाधा के पारित हो जाते हैं।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

हेल्थ का ध्यान रखने और खासकर बाहर के खाने-पीने से परहेज करने की सलाह आपको दी जाती है। आज आपमें क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए वाणी में गुस्सा ना रखें। परिजनों से उग्र चर्चा के कारण मनमुटाव न हो।

वृष

अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धन प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। मित्रों से अचानक हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। आज आपको अच्छा खाना नसीब होगा। मित्रों से लाभ होगा।

मिथुन

पानी वाली जगहों से दूर रहें। आज धन का व्यय अधिक होगा। आज नियम विरुद्ध कामों से दूर रहें। रोमांस के लिए आज का दिन अच्छा है और किसी खास व्यक्ति का साथ आपको आनंद देगा। आज कोई नया काम शुरू ना करें।

कर्क

आप तन-मन से स्वस्थ होकर कई तरह के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। सफलता मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम बढ़ेगी। परिजनों के साथ आनंद एवं उल्लास से समय गुजरेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

सिंह

स्वजनों एवं परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा और ज्यादा परिश्रम के बाद ही सफलता मिलेगी। दुर्घटना हो सकती है, सावधान रहें। आज आपका दिन बहुत लाभदायी है।

कन्या

नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे। आपकी पदोन्नति के योग हैं। अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा होगा। परिजनों के साथ खुले मन से बातचीत होगी। घर के डेकोरेशन पर कुछ खर्च हो सकता है। आपका व्यवहार न्यायपूर्ण रहेगा।

तुला

माता से लाभ होने के संकेत आपको मिल रहे हैं। मित्र और संबंधियों से घर का वातावरण अच्छा रहेगा। आज अचानक होने वाली घटनाओं से आप चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य खराब होने और आंखों में दर्द होने की आशंका बनी रहेगी।

वृश्चिक

संतान पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों से आपको लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आप आज हर काम सरलता से पूरे कर पाएंगे।

धनु

आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कामों में व्यस्त रहने की संभावना ज्यादा रहेगी। आप में आज क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए आप सावधान ही रहें। संतान एवं व्यापार की परेशानियों के कारण आपका मन अशांत रहेगा।

मकर

आपका शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। जरूरी कामों पर धन खर्च होगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। दफ्तर में सहकर्मियों का अच्छा साथ मिलेगा। महिलाओं के मायके से समाचार आने के योग हैं।

कुंभ

मित्र एवं प्रियजन आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे। नए वस्त्रों की खरीदी के योग हैं। तन-मन की तंदुरस्ती अच्छी रहेगी। अच्छे भोजन एवं वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज आप के घर में सुख शांति और आनंद का माहौल रहेगा।

मीन

बाहर जाना हो सकता है। माता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सरकारी लाभ होगा एवं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। पहले से निर्धारित काम के लिए आपका प्रयास ज्यादा रहेगा। धन लाभ होगा और अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

आज का इतिहास - बढ़ता राजस्थान

27 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- जोन की 1199 में इंग्लैंड का राजा के रूप में ताजपोशी की गई।
- क्यू क्लक्स क्लैन ने 1923 में अपने सदस्यों के प्रकाशन कानून की किसी आवश्यकता से इनकार किया।
- नोबेल साहित्य पुरस्कार विजेता रूसी लेखक एलेक्ज़ेंडर सोल्केनित्सिन पश्चिम में 20 वर्ष का निर्वासन समाप्त कर 1994 में स्वदेश लौटे।
- नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा को 2002 में 3 साल के लिए पार्टी से निकाला गया।
- दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया का नाम बदलकर 2005 में श्वाने करने का निर्णय लिया गया।
- इंडोनेशिया में 2006 को आये विनाशकारी भूकम्प में कम से कम 2900 लोग मारे गये और हज़ारों लोग घायल हुए।
- केन्द्र सरकार ने सीमेंट निर्यात पर लगाए गए प्रतिबन्ध को 2008 में वापस लिया।
- भारत ने 2010 में उड़ीसा के चांदीपुर में बालसोरा ज़िले में परमाणु तकनीक से लैस धनुष और पृथ्वी 2 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- भारत के राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील की चीन के राष्ट्रपति हू जिंताओ तथा प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ से हुई मुलाकात के बाद चीन ने 2010 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत के प्रति समर्थन जताया।
- रूस के दक्षिणी शहर स्टारवोपोल में 2010 को एक बम विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 40 घायल हो गए।
- तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा ने 2010 में बुद्ध पूर्णिमा के दिन पटना रेलवे जंक्शन के पास 22 एकड़ ज़मीन पर 125 करोड़ रुपए की लागत से बने 200 फ़ीट ऊँचे स्तूप वाले एक भव्य 'बुद्ध स्मृति पार्क' को जनता को समर्पित किया।

27 मई को जन्मे व्यक्ति

- प्रसिद्ध इतिहासकार इब्ने ख़लदून का जन्म 1332 में हुआ। उनका नाम अब्दुर्रहमान था और उन्हें अबू ज़ैद की उपाधि से याद किया जाता है।
- पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का जन्म 1894 में हुआ ख्यातिप्राप्त आलोचक तथा निबन्धकार के रूप में मिली।
- प्रसिद्ध इतिहासकार बिपिन चन्द्र का जन्म 1928 में हुआ।
- हिन्दी के कवि, पत्रकार एवं पत्रकारिता के प्राध्यापक हेमन्त जोशी का जन्म 1954 में हुआ।
- भारत के उद्योगपति और 'भारतीय जनता पार्टी' के वरिष्ठ राजनेता नितिन गडकरी का जन्म 1957 में हुआ।
- प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी एवं कमेंटेटर रवि शास्त्री का जन्म 1962 में हुआ।

27 मई को हुए निधन

- कंदुकूरी वीरेशलिंगम का निधन 1919 में हुआ वो तेलुगु भाषा के प्रसिद्ध विद्वान, जिन्हें आधुनिक तेलुगु साहित्य में 'गद्य ब्रह्मा' के नाम से ख्याति मिली।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी चुनौती इससे नदियां अनियंत्रित

संजीव ठाकुर

ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियां पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरुप होने वाला है।जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है।

हर वर्ष जल के भयानक रौद्र रूप देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल देता है।देश के अनेक राज्यों में जैसे दिल्ली ,गुजरात ,महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड आदि में हर वर्ष मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। इसी तरह भूकंप के झटके कई प्रदेशों में जनहानि तथा मालहानी की विराट समस्या पैदा कर देता है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की हैद्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फल स्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ता है देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 1000 लोग प्रतिवर्ष जीवन काल से काल कवलित हो जाते हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं

शख्सियत - बढ़ता राजस्थान

डॉ. अनिल कुमार
(शिक्षा विद्)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं अरावली पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे से गांव शिवदानसिंहपुरा . बहरोड में 19 सितंबर 1977 को एक कृषक परिवार में जन्में, पढ़ने, पढ़ाने,लेखन कार्य एवं नवाचार का जुनून, 10 विषयो में पीजी एमफिल तथा पीएचडी, गवर्नर उपराष्ट्रपति व राष्ट्रपति पदक से सम्मानित डॉ. अनिल कुमार जो वर्तमान में प्राचार्य के पद पर लुंबा की ढाणी जालौर में कार्यरत है। कक्षा दसवी और बारहवी में बहरोड से प्रथम श्रेणी से और 1998 में बीएससी व 2000 में एमएससी भौतिक रसायन विज्ञान में आरआर कॉलेज टॉप किया इसके पश्चात जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू से 2000 में टॉपर रहते हुए बीएड तथा 2001 में एमफिल की डिग्री प्रथम श्रेणी से व 2005 में राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की, कॉलेज शिक्षा के दौरान एनसीसी का सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया और स्काउट क्षेत्र में सामाजिक श्रेष्ठ कार्य करने पर 1998 में महामहिम राष्ट्रपति श्री के.आर.नारायण ने राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया ए और शैक्षणिक क्षेत्र में नवाचार व उत्कृष्ट कार्य करने पर भारत सरकार द्वारा राजस्थान से चयन होने पर महामहीम उपराष्ट्रपति श्री भैरू सिंह शेखावत ने 2003 में उपराष्ट्रपति पदक से नवाजा गया इसी बीच जिला प्रशासन ने भी 15 अगस्त 2000 व 2004 को जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जिंदगी में बनना तो कुछ चाह रहे थे उसके लिए मेहनत भी की लेकिन उस मेहनत को सफलता में तब्दील नहीं कर पाए और अंत में 25 अप्रैल 2005 को राज्य सेवा में नियुक्ति दरबारपुर में हुई उसके बाद 2008.2015 तक हाजीपुर डडीकर तथा 2015 से 2023 तक तुलेडा में व्याख्याता रसायन विज्ञान और 2023 से प्राचार्य के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं जॉब लगने के बाद भी अध्यापन के साथ अध्ययन में भी रुचि होने के कारण अपनेअध्ययन कार्य को भी जारी रखा और वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा से एमए भूगोल एमनोविज्ञान, समाजशास्त्र व एम.एड में विश्वविद्यालय टॉप करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

2025_025 a - बढ़ता राजस्थान

Suduko

	5	4				1		
8		3					2	
7	6			2	9	3		
				7			4	5
	8	9				2	7	
6	4			1				
		6	8	4			1	2
	1					7		4
		8				9	6	

Ans_2025_024

1	3	5	7	4	9	6	8	2
4	9	6	8	1	2	3	5	7
7	2	8	3	5	6	4	9	1
5	1	7	6	8	3	9	2	4
8	4	9	1	2	5	7	3	6
3	6	2	9	7	4	8	1	5
2	7	1	4	3	8	5	6	9
6	5	3	2	9	7	1	4	8
9	8	4	5	6	1	2	7	3

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

जेडीए ने सत्रह बीघा भूमि पर चार अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जोन-13 में व्यावसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण को किया सील

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-1 में ओ.टी.एस. के पास किये गये अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। जोन-08 में निजी खातेदारी की करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोंनी को पूर्णत: ध्वस्त एवं जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 15 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णत: ध्वस्त किया गया। जोन-13 में आगरा रोड़, कानोता थाने के सामने व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग एवं कानोता थाने के सामने ही व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बेसमेन्टद्वितीय मंजिला अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-01 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित स्कीम नं. 04, ओ.टी.एस. के पास सीमेन्ट के ब्लॉक, पट्टियों से चारदीवारी का अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज उपायुक्त जोन-01 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया। जोन-08 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सांगानेर में कोहिनूर सिनेमा के पास, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर '' श्रीजी मार्केट'' के नाम से बनाई गई गिट्टी, मोर्रम की सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-08 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित निवारू रोड़, खारड़ा की ढ़ाणी, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''श्री हनुमान नगर'' के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल, मकान का ढांचा व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम रोजदा, जिला जयपुर में करीब 07 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जिलोई, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''माँ करणी नगर'' के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

फोर्टी की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था पर सेमिनार

कर सलाहकार और अर्थशास्त्रियों ने किया मंथन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। जापान को पीछे छोड़कर भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे पायदान पर पहुंच गई है। नीति आयोग की बैठक में घोषणा के बाद देशभर में मंथन का दौर जारी है। जयपुर में फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड इंडस्ट्री(फोर्टी) के कार्यालय पर भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धि पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने कहा कि सरकार की बेहतर नीतियों के साथ मेक इन इंडिया के तहत भारत में विनिर्माण को प्रोत्साहित कर एक्सपोर्ट और ढांचागत विकास का प्रोत्साहित करने से भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। इसे देखकर लग रहा है कि हम 2027 के लक्ष्य से पहले ही विश्व में तीसरे नम्बर पर पहुंच जाएंगे। इसके लिए एक्सपोर्ट इंसेंटिव स्कीम और पैकिंग क्रेडिट लिमिट को फिर से शुरू किया जाना चाहिए। सेमिनार में कई वरिष्ठ कर सलाहकार और अर्थशास्त्रियों ने भाग लिया। इसमें मनीष अग्रवाल, सीए शैलेंद्र अग्रवाल, सीए अक्षय जैन, सीए नितेश अग्रवाल, सीए विष्णु अग्रवाल, आरएसए के सीईओ नितिन अग्रवाल शामिल हुए। सीए शैलेंद्र अग्रवाल ने कहा कि सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम और एमएसएमई के लिए आसान लोन सुविधा के कारण देश का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर तेजी का ग्रोथ कर रहा है। अब हमें रिसर्च और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट पर ध्यान देना होगा। सीए अक्षय जैन ने कहा कि अब हमें एक्सपोर्ट पर फोकस करने के साथ ही आईटी एक्सपर्ट मैनफोर्स को देश में ही रोकना होगा। मनीष अग्रवाल ने इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल डेवलपमेंट पर जोर दिया। नितिन अग्रवाल ने बताया कि 2027 तक भारतीय शेयर बाजार आज से सात गुना ज्यादा ऊपर होगा। ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में 5 लाख करोड़ का नया निवेश किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में प्लास्टिक के पानी के ड्रम से बुझा रहें थे प्यास

-मानव सेवार्थ पर हितार्थ ग्रुप सांगानेर के सदस्यों ने ठंडा पानी की मशीन लगवाई, ग्रुप के सदस्यों का जरूरतमंद लोगों की मदद करने का रहता लक्ष्य

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। कदम विहार बैनाड़ रोड स्थित नशा मुक्ति केंद्र में नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए यहां रह रहें 25 लोगों के लिए मानव सेवार्थ पर हितार्थ ग्रुप सांगानेर के सदस्यों ने ठंडा पानी की मशीन लगाकर इस भीषण गर्मी में राहत प्रदान की।

संयोजक घनश्याम कूलवाल ने बताया कि बेनाड रोड पर स्थित एक नई दिशा नशा मुक्ति केंद्र में रहकर नशे की लत से मुक्ति के लिए प्रयास कर रहें लोगों के लिए पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं थी, साथ ही जिस जगह बैठकर इन्हें ध्यान करना सिखाया जाता हैं। वहां भी उमस रहती थी, जैसे ही यह विषय हमारे संज्ञान में लाया गया हमने तुरंत अपने ग्रुप के साथियों से इनकी मदद की अपील की और सभी सदस्यों ने 24 घंटे के अंदर नशा मुक्ति केंद्र में ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर और एडजस्ट फैन लगाकर इन्हें राहत प्रदान की इस नेक कार्य में गोपाल लाल अग्रवाल, हनुमान प्रसाद गुप्ता , राधेशरण मानक बोहरा, आरिफ खान, लादुराम गुजर, रमेश कूलवाल, हितेश पटेल, कैलाश कयाल सहित अन्य लोग शामिल रहें।

हीरा कोयले में मिलता है जिसे आजकल गाँव कहते हैं प्रतिभा : ज्ञानपुरिया

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र के नारायणपुर उपखण्ड क्षेत्र के गाँव खोहरी स्थित शिव पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल मोतीलाल प्याऊ खोहरी के प्रांगण में कक्षा -12 वीं कला वर्ग में टॉपर अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर बोलते हुए मुख्य अतिथि कोचिंग यूनियन के अध्यक्ष सुरेश ज्ञानपुरिया ने कहा कि प्रतिभाएँ किसी खोज से कम नहीं होती इन्हे हीरे की तरह तराशा जाता है। हीरा हमेंशा कोयले की खान में ही मिलता है। आजकल शहर को आमजन स्वर्ग कहता है पर मैं जिसे लोग कोयले की खान यानी गाँव को स्वर्ग कहता हूँ। जिसे लोग कोयले की खान कहते हैं उन्हें नहीं मालूम कि हीरा कोयले की खान में ही तलाश कर तराशा जाता है। ज्ञानपुरिया ने कहा कि शिव पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भी हीरे को खोजकर तराशती है। इस मौके पर मोनिका जाटको 92.80 अंक,अंजू यादव को 91.20अंक ,मुस्कान को 90.60अंक,संजू गुर्जर को 90.00 अंक,शिवानी स्वामी को 88.80अंक लाने पर संस्था द्वारा माला-साफा पहनाकर सम्मानित किया गया है, तथा उनका मुँह मीठा कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है। ज्ञानपुरिया ने बताया कि विद्यार्थियों ने माता पिता सहित क्षेत्र व विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके लिए शिव पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खोहरी के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्थाफ का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य का पवित्र रिश्ता क़ायम रहे और इस विद्यालय के विद्यार्थी और विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहे ऐसी कामना करता हूँ। इस मौके पर मुख्य अतिथि बानसूर कोचिंग यूनियन के अध्यक्ष सुरेश ज्ञानपुरिया,संस्था के निदेशक महेश यादव ने अच्छे परिणाम का श्रेय संस्था परिवार के समस्त स्टाफ को दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन के अलावा स्टॉफ निकम्मा हो तो ऐसा परिणाम देना दुर्लभ है।

यादव ने कहा कि मैं सभी अभिभावकों को इसलिए भी धन्यवाद देता हूँ कि आपने संस्था पर विश्वास किया और अपने बहुमूल्य हीरों को तराशने के लिए हमारे पास भेजा। मुझे गर्व है कि विद्यालय स्टॉफ द्वारा बड़ी सतर्कता से हीरों को तराशा जो क्षेत्र को जगमगाकर रोशन करेंगे।इस मौके पर मुकेश अहीर, दयाराम यादव, रामसिंह यादव, अमरसिंह, कैलाश जी सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

योजना बनाकर मरीज के परिजन की जेब से पैसे चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अस्पताल के सामने योजना बनाकर मरीज के परिजन की जेब से पैसे चोरी करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चुराए गए रुपये भी जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अस्पताल के सामने योजना बनाकर मरीज के परिजन की जेब से पैसे चोरी करने वाले संतोष और रामकिशन उर्फ गेंडा को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित खानाबदोश दुर्गापुरा जयपुर के रहने वाले है। दोनों ही आरोपियों के खिलाफ जयपुर और कोटा के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चुराए गए चालीस हजार रुपये भी बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि एसएमएस अस्पताल में मरीजों को दिखाने आए परिजनों की रैकी कर उनका पीछा करते है । गैंग का एक व्यक्ति परिजनों के आगे और पीछे रहता । आगे वाला व्यक्ति कुछ सामान सड़क पर गिरा कर परिजनों का रास्ता अवरुद्ध करता है और दूसरा पीछे वाला व्यक्ति उनकी जेब से पैसे निकाल कर फरार हो जाता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पचास लाख रुपए जेवरात सहित नकदी लेकर भागे नौकर पति-पत्नी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घर से पचास लाख रुपए जेवरात सहित नकदी लेकर भागे नौकर पति-पत्नी को बिहार के मधुबनी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी किए गए सोने, चांदी, हीरे के गहने और नगदी भी जब्त की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम)अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घर से पचास लाख रुपए जेवरात सहित नकदी लेकर भागे नौकर दिनेश कुमार (22) निवासी धनौजा मधुबनी (बिहार) और उसकी पत्नी चुन्नी उर्फ आरती को बिहार के मधुबनी उनके गांव से पकडा है। साथ ही चोरी का माल सोने के विभिन्न गहने हीरे जवाहरात, जिसकी कीमत करीब पचास लाख रुपए है। 2 लाख 60 हजार 400 रूपए नगद और दो विदेशी मुद्रा बरामद की है। इस संबंध में पीड़ित राजेन्द्र बाकलीवाल ने थाने में 16 मई को मामला दर्ज करवाया था कि उनके घर पर काम करने वाले दो नौकर जेवरात लेकर फरार हो गए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करते लोकेशन के आधार पर आरोपियों को उनके गांव से गिरफ्तार किया है।

वार्ड नंबर 2 व 3 के वार्डवासीयो ने जलभराव को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, संक्रमण फैलने की जताई आशंका

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के ढाणी इटली वार्ड नंबर 2 और 3 की महिलाओं ने क्षेत्र में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पिछले 9 वर्षों से गंदे पानी की निकासी नहीं होने के कारण मोहल्ले में गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे मौसमी बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।ज्ञापन में कहा गया है कि जलभराव के कारण न सिर्फ आमजन का आवागमन बाधित हो गया है, बल्कि बच्चों के स्कूल जाने में भी परेशानी हो रही है। कई बार नगर परिषद और प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। विशेष रूप से बताया गया कि वर्ष 2019 में भी इसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न हुई थी और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था।स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि महेश कुमार सैनी के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में मांग की गई है कि तत्काल प्रभाव से जल निकासी की व्यवस्था करवाई जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिजली विभाग को कई बार सूचित करने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ है।निवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे। इस ज्ञापन पर क्षेत्र के कई नागरिकों ने हस्ताक्षर कर समर्थन जताया है।इस मौके पर मुकेश सैनी, दिनेश सैनी, पूरण सैनी,हरिराम सैनी, मुरलीधर सैनी,पार्षद रामेश्वर सैनी,पूर्व रामचंद्र सैनी, भीखाराम सैनी, घनश्याम सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

लक्ष्मी नगर अंडरपास की मांग को लेकर संघर्ष समिति का आंदोलन तेज,

समिति सदस्यों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। लक्ष्मी नगर अंडरपास संघर्ष समिति की ओर से श्रीराम मंदिर प्रांगण में एक बैठक का आयोजन समिति अध्यक्ष रामस्वरूप चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में क्षेत्रवासियों की ओर से लंबे समय से उठाई जा रही अंडरपास की मांग को लेकर आगामी रणनीति तय की गई। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने शहर में रैली निकाली और जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि लक्ष्मी नगर क्षेत्र की ओर कुल छह वार्ड आते हैं, लेकिन अंडरपास नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को राष्ट्रीय राजमार्ग के दूसरी ओर स्थित स्कूल, सरकारी कार्यालय, पशु चिकित्सालय, श्मशान घाट आदि तक पहुंचने में पांच किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। इससे समय और संसाधनों की बर्बादी के साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। समिति ने मांग की कि लक्ष्मी नगर के सामने अंडरपास का निर्माण कर आमजन को सुविधा दी जाए। साथ ही चेताया गया कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में रामस्वरूप चौधरी के अलावा समिति के कई सक्रिय सदस्य एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

ई-रिक्शा चालक ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। राजधानी जयपुर में एक ई-रिक्शा चालक ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए सवारी द्वारा छोडे गए मोबाइल को संजय सर्किल थाना पुलिस को सुपुर्द किया। वहीं पुलिस ने तकनीकी आधार पर मोबाइल मालिक का पता कर मोबाइल उसके सुपुर्द किया। जहां थानाधिकारी ने ई-रिक्शा चालक की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद और शाबाशी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर जयपुर (उत्तर सैंकड) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि संजय सर्किल थाने में ई-रिक्शा चालक और सुभाष चौक निवासी अजय ने ईमानदारी की मिशाल पेश करते हुए सवारी द्वारा छोडे गए मोबाइल को थाना पुलिस को सुपुर्द किया। वहीं पुलिस ने तकनीकी आधार पर मोबाइल मालिक अक्षेत्र निवासी अलवर का पता लगा कर उसे मोबाइल सुपुर्द किया है। मोबाइल मालिक अक्षेत्र जयपुर घूमने आया था और जल महल घूमने बाद खाटू श्याम जाने के लिए सिंधी कैंप के पास ई-रिक्शा से उतरते समय मोबाइल भूल गया था।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT PALASARA P. S. PIPRALI (SIKAR)

No:Epro./18 Date: 19.05.2025

Notice Inviting Bid

Bids for Rate Contract for Supply of Construction Material for MGNREGA and other schemes in Gram Panchayat Palasara for the year 2025-26 are invited from interested bidders upto 02.06.2025 time 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state.

NIB PIV2526A0043

UBN: PIV2526GLRC00044

Sarpanch — Village Development Officer

G. P. Palasara — G. P. Palasara

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DHARMSHALA P. S. PIPRALI (SIKAR)

No:Epro./91 Date: 22.05.2025

Notice Inviting Bid

Bids for Rate Contract for Supply of Construction Material for MGNREGA and other schemes in Gram Panchayat Dharmshala for the year 2025-26 are invited from interested bidders upto 02.06.2025 time 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in)** of the state.

NIB: PIV2526A0046

UBN: PIV2526GLRC00047

Sarpanch — **Village Development Officer**

G. P. Dharmshala — **G. P. Dharmshala**

बीसलपुर बांध की बनास नदी से गाद की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिल बदस्तूर जारी

इस मामले पर एक के बाद एक खबरें प्रकाशित, सरकार तक भी इस की जानकारी, फिर भी नही कारवाई

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। पिछले कई समय से बीसलपुर बांध मे से गाद निकालने की आड़ में अवैध रूप से बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहते हुए कार्य से संबंधित सरकारी अधिकारियों को यह साफ तौर पर दिखाई पड़ रहा है लेकिन इसके विरुद्ध खनिज विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है ।

गाद निकालने वाली कंपनी के आदमी गाद निकालने की आड़ में बांध के तल से भारी मात्रा में अवैध तौर पर बजरी निकाल रहे हैं । यहां समझने वाली बात यह है कि बांध के पानी से अवैध तौर पर बजरी निकालने जैसे इस कार्य के विरुद्ध जिम्मेदारों द्वारा नाम मात्र की कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। इससे साफ जाहिर होता है कि खनिज विभाग की मिली भगत पर कंपनी द्वारा उक्त कार्य को बेखौफ रहते हुए खुलेआम किया जा रहा है।

यहां देखने वाली बात तो यह है कि इस मामले की जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के जरिए समय-समय पर सरकार और खनिज विभाग के जिम्मेदारों को बखूबी प्राप्त होती चली आ रही है । लेकिन फिर भी अवैध तौर पर पानी से बजरी निकालने के अनैतिक कार्य पर अंकुश नहीं लग रहा है। इसी के साथ यहां बनास नदी किनारे कि खाली भूमि पर हजारों टन,बजरी के स्टॉक पहाड़ों के रूप में बने हुए बड़े-बड़े वाहनों में अवैध बजरी भर रहे है। इस मामले पर उक्त क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य से संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों कि मिली भगत से खुलेआम बड़ी भारी मशीनों के इस्तेमाल से बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से अवैध तौर पर बजरी निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी है ।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के जल भराव क्षेत्र से गाद निकाले जाने का कार्य, बड़ी-बड़ी मोटर बोर्ड मशीनों के जरिए युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसी के बीच सोमवार को फिर से मामला यह सामने आया कि बीसलपुर बांध के गोल पहाड़ी और गागुतला जल भराव क्षेत्र से गाद निकालने की आड़ में पानी से वाटर पंप के जरिए अवैध तौर पर हजारों टन बजरी प्रतिदिन निकाली जा रही है । तो वही यहां से बजरी निकाल कर कासीर गाँव के खेतों में अवैध स्टॉक किया जा रहा है। अवैध बजरी का स्टॉक करने के लिए वाटर पंप के जरिए बड़ी-बड़ी मोटर बोट में बजरी भरकर नदी किनारे स्थल पर पहुंचा रहे है । ऐसे मे उक्त स्थान पर बड़े पैमाने में स्टॉक किए जा रहे हैं हैं।

यह जानकारी उक्त क्षेत्र की ग्रामीणों से एक के बाद एक लगातार मिली है। ऐसे हालातो पर क्षेत्र वासियों का मानना है कि उक्त हालातो की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को बखूबी प्राप्त है। जानकारी के अनुसार बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र एवं केंचमेंट एरिया तक बनास नदी के तल से गाद (कीचड़) को बाहर निकालने का कार्य एन जी गदिया नामक कम्पनी कर रही हैं । ऐसे में यह साफ तौर पर जाहिर होता है कि कंपनी के कर्मचारी ही नदी से भारी मात्रा में अवैध तौर पर बजरी निकाल रहे है ।

इसलिए की कंपनी ने गाद निकालने के कार्य मे बड़े-बड़े ट्रिगर मशीन, हाइड्रोलिक वाटर पंप एवं पानी में तैरता हुआ प्लेटफार्म जैसी बड़ी बड़ी मोटर बोट मशीनरिया इस कार्य में लगाई हुई है। ऐसे में उक्त ग्रामीण क्षेत्र वासियों का आरोप यह भी है कि कंपनी के कर्मचारी पानी से गाद निकालने के साथ-साथ भारी मात्रा में बजरी भी निकाल रहे है। जानकारी के अनुसार कासीर गांव का क्षेत्र देवली पुलिस थाना के अधिकार में आता है।

बीसलपुर बांध के पानी में बड़े-बड़े वाटर पंप लगाकर अवैध रूप से बनास बजरी निकालते हुए

बाबा मोहनदास आश्रम में शिव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

प्रागपुरा (सुशील कुमार बंसल)। ग्राम भोनावास स्थित बाबा मोहनदास आश्रम में शिव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा और शिव परिवार को नगर भ्रमण करवाया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश लेकर गांव के मुख्य रास्ते से गुजरती हुई मोहनदास आश्रम पर पहुंची। इस दौरान महिलाओं के चेहरे पर भक्ति और उत्साह की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. किशन लाल शर्मा व धर्मपाल सिंह शेखावत ने बताया कि ग्राम के प्रमुख रास्तों से शिव परिवार को नगर भ्रमण करवाया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने शिव परिवार की पूजा अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मोहनदास आश्रम पर पंडित कपिलेश शास्त्री द्वारा विधि विधान से मूर्ती स्थापना करवाई गई। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा अर्चना से वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में कोटपूतली विधायक प्रत्याशी मुकेश गोयल, भाजपा नेता शंकर कसाना, पुरुषोत्तम कृष्णा मिश्रा, रामसिंह जाट, मनोज कुमार टांक, शीशराम जाट, नंद बाबा, धूड़सिंह शेखावत, राजपाल शेखावत, कंवर पाल सिंह, सतपाल सिंह, गिरधारी लाल शर्मा, कमल यादव, हरिपाल सिंह, विजय सिंह, दशरथ सिंह, पूर्व सरपंच राजपाल सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन पंगत प्रसाद के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी ने भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद की कामना की।

सिवरेज प्लांट को निरस्त करने की मांग को लेकर तहसील परिषद में प्रदर्शन कर एसडीएम हेमराज गुर्जर को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। मंडावरा व कैलाश नगर के मध्य सिवरेज प्लांट को निरस्त करने की मांग को लेकर तहसील परिषद में प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन समाजसेवी चंद्रकेतु बेनीवाल रविंद्र बेनीवाल हेमराज बेनीवाल कौशल पप्पू बनवारी आदि नेमंड़ावरा व कैलाश नगर के मध्यसार्वजनिक तलाई के पासप्रस्तावित टीटमेन्ट प्लांट को निरस्त करने की मांग को लेकर दिए गए ज्ञापन में बताया किचारो तरफ दोनो ग्राम पंचायतो की घनी आबादी एवं देवस्थान हैं। एवं करीब 100 मीटर की दूरी पर कैलाश नगर कृषि उपज मण्डी यार्ड संचालित है जिसमें रोजाना करीब हजारों की तादात में किसान अपनी फसल बेचने आते है। एवं प्रस्तावित टीटमेन्ट प्लांट के पास ही कैलाश नगर ग्राम पंचायत का उप सचिवालय भी स्थापित हैं।

जलाशय में बारिश के दिनों में पानी भराव से दोनो पंचायत के मवेशियों एवं पक्षियों की प्यास बुझती हैं टीटमेन्ट प्लांट से दोनो पंचायत के हजारो लोगो को प्रदूषण एवं दूषित दुर्गंध फैलने से महामारीयां फैलने की संभावना बढेगी एवं आमजन के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पडेगा।सीवरेज टीटमेन्ट प्लांट के पास करीब 15 वर्ष पुराना राजकीय अम्बेडकर आवासीय छात्रावास स्थापित हैं इससे छात्रावास में रहने वाले बच्चों के स्वास्थ पर विपरीत असर पड़ेगा।

दोनो ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों द्वारा सीवरेज टीटमेन्ट प्लांट का विरोध कर रहे है। कि इस प्रस्तावित सीवरेज टीटमेन्ट प्लांट को निरस्त करने की मांग को स्वीकार किया जावे। एवं उक्त सीवरेज टीटमेन्ट प्लांट को अन्यत्र जगह स्थापित किया जावें।20मई 025 से आज तक हमारा धरना चला आ रहा है। जिसमें कोई भी अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया हैं।सीवरेज टीटमेन्ट प्लांट में अधिकारीयों व कर्मचारीयों की लिप्तता के कारण आवंटन में घोर भ्रष्टाचार हुआ हैं जिसकी उच्च स्तरीय जाँच करवाई जावे सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारीयों के लिखाफ शक्त कार्यवाही की जावे। ज्ञापन देने वालों में मड़ावरा सरपंच मधु शर्मा समाजसेवी चंद्र केतु, बेनीवाल, रविंद्र बेनीवाल, पूरण शर्मा, गजेंद्र बनवारी, कुम्हेर जोगेंद्र, बेनीवाल रिखवदास, सलाम, अतर सिंह धनीराम, जुगल किशोर ,विमल मड़ावरा,रमन सिंह,पवन सिंह मुकेश शर्मा,अब्दुल खान,,पप्पू,लक्ष्मीनारायण,विजयसिंह,कुबेरसिंह,बनवारी,वीरसिंह,गबरू,चिरंजीवी,शिवराम,सूगर सिंह,कन्हैया ,बनैसिंह, हिम्मत सिंह,हरि सिंह, मिश्रीलाल, कौशल, अलीशेर, लखन लाल साहित्य तीनों पंचायत के सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा योजना के आवेदनों में कमियों की पूर्ति कर शीघ्र जमा कराएं आवेदक : कलक्टर

11,137 आवेदनों में से 5,063 आवेदन विभिन्न खामियों के चलते हुए रिटर्न, उपभोक्ताओं को जल्द करनी होगी कमी-पूर्ति

बढ़ता राजस्थान

राजसमन्द (सुरेश बागोरा)। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वर्तमान में पात्र वंचित परिवारों से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। जिला रसद अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि इन आवेदनों की जांच विकास अधिकारी, आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी द्वारा की जा रही है तथा पात्रता के अनुसार संबंधित उपखंड अधिकारियों को भेजा जा रहा है, जहां से पात्र उपभोक्ताओं के नाम खाद्य सुरक्षा योजना में सम्मिलित किए जा रहे हैं। अब तक कुल 11,137 परिवारों द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना में सम्मिलित होने हेतु आवेदन किए गए हैं। इनमें से 5,057 परिवारों को पात्रता सूची में सम्मिलित किया जा चुका है, जबकि 222 आवेदनों को निरस्त कर दिया गया है। वहीं 5,063 आवेदनों में गलत समावेशन श्रेणी में आवेदन करना, वांछित दस्तावेज अपलोड नहीं करना अथवा स्वघोषणा पत्र नहीं देना जैसी विभिन्न कमियां पाई गई हैं। इस कारण ये आवेदन संबंधित उपभोक्ताओं को संशोधन हेतु लौटाए गए हैं।

जल्द से जल्द कमियाँ पूर्ति करें आवेदक

जिला कलक्टर श्री बालमुकुंद असावा ने आमजन से अपील की है कि वे अपने लौटाए गए खाद्य सुरक्षा आवेदन की स्थिति पोर्टल के माध्यम से जांच करें तथा आवेदन में दर्शाई गई कमियों को दूर कर आवश्यक दस्तावेज संलग्न करते हुए उसे पुन: पोर्टल के माध्यम से संबंधित अधिकारी के पास प्रेषित करें, ताकि उनका आवेदन शीघ्र निस्तारित किया जा सके। साथ ही श्री असावा ने समस्त प्राधिकृत अधिकारियों एवं उपखंड अधिकारियों को वर्ष 2022 एवं वर्ष 2025 के लंबित आवेदनों के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी प्रदान किए हैं।

गोपीनाथ मंदिर में विशाल कलश यात्रा गुरुवार को

संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का होगा आयोजन

बढ़ता राजस्थान

प्रागपुरा (सुशील कुमार बंसल)। कस्बे के श्रीकृष्ण गोशाला स्थित गोपीनाथ मंदिर में आगामी गुरुवार 29 मई को विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कलश यात्रा खातियों की कॉलोनी नृसिंह मंदिर से प्रारम्भ होकर कस्बे के मुख्य बाजार होते हुए गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी। इस मौके पर सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय कथा वाचक भरतपुर निवासी परम श्रद्धेय पूजा बाई द्वारा 29 मई गुरुवार से प्रतिदिन 03 बजे से सांय 06 बजे तक भागवत कथा का वाचन किया जायेगा। उनके वाचन से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के बारे में जानकारी मिलेगी और वे उनकी भक्ति में लीन हो सकेंगे। एलबीएस कॉलेज पूर्व महासचिव दीपिका स्वामी ने बताया कि गुरुवार 05 जून को विशाल भण्डारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे और पंगत प्रसाद ग्रहण करेंगे।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की लर्निंग असेंबली संपन्न

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। रोटरी क्लब उदयपुर हेरिटेज के आतिथ्य में रोटरी जिला 3056 की दो दिवसीय लर्निंग असेंबली 'अशोक स्मित' में आयोजित की गई। असेंबली का उद्देश्य आगामी 1 जुलाई 2025 से प्रारंभ होने वाले रोटरी सत्र 2025-26 में जिले के 85 रोटरी क्लबों का नेतृत्व संभालने वाले सहायक प्रांतपाल, अध्यक्ष, सचिव, बोर्ड के निदेशकों और जिला स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करना था जिससे उनको वर्ष पर्यंत रोटरी अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के अनुरूप किए जाने वाले कार्यक्रमो की रूपरेखा बनाने और उनके सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी आसानी से दी जा सकें। असेंबली कन्वीनर प्रांतपाल मनोनीत दीपक सुखाड़िया और आयोजन समिति अध्यक्ष संजीव जोधावत ने बताया कि असेंबली उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने सभी रोटेरियन से आव्हान किया कि युवाओं, महिलाओं और वृद्धजनों के हितार्थ शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार, मानसिक विकास आदि से जुड़े प्रभावी प्रोजेक्ट्स के द्वारा क्षेत्र विशेष की आवश्यकतानुरूप सेवाएं देवें। असेंबली के उद्घाटनकर्ता और मुख्य वक्त रोटरी अंतरराष्ट्रीय निदेशक बैंगलोर से आये फ्लाइट लेफ्टिनेंट के पी नागेश थे। उन्होंने रोटरी के 120 वर्षों की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रोटरी सदस्यों को समय अनुरूप सेवा कार्यों में नवीनता और उत्कृष्टता लाने की आवश्यकता जताई। जिला लर्निंग फैसिलिटेटर अजय काला ने लर्निंग असेंबली का प्रारूप प्रस्तुत किया। सहायक प्रांतपाल जयेश पारिख, समिति सचिव आशीष सिंह, कोचौयरमैन दीपक गोयल, रोटरी क्लब उदयपुर हेरिटेज के अध्यक्ष डॉ दीपक शर्मा, सचिव डॉ शैलेन्द्र सोमानी, कोषाध्यक्ष विजय वाधवानी, धीरेन्द्र सचान, हिमांशु चौधरी, राजकुमार टाया, सौरभ सिरोया, विमल डागलिया, जितेंद्र तलेसरा, वसंत खमेसरा, गजेंद्र सुयल, दिनेश सुहालका, दीपक भंसाली, ऋषि कोठारी, अनुभव लाडिया, प्रदीप मेहता, अतुल चंडालिया, रविन्द्र पारखआदि सदस्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सेन ने किया। असेंबली में जयपुर, कोटा, सीकर, दौसा, बांसवाड़ा, उदयपुर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मालपुरा, आदि विभिन्न शहरों में स्थित 85 क्लब से लगभग 300 सदस्यों ने भाग लिया।

ज्योतिष : विज्ञान और अध्यात्म का संगम-एक नई सोच, नया दृष्टिकोण पुस्तक का विमोचन

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। ज्योतिष को केवल अंधविश्वास मानने वालों के लिए यह पुस्तक एक नई सोच की दस्तक है। प्रख्यात लेखक और सलाहकार अनुराग अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक ज्योतिष: विज्ञान और अध्यात्म का संगम आज एक विशेष समारोह में लॉन्च की गई। इस पुस्तक में लेखक ने हजारों वर्षों पुरानी भारतीय ज्योतिष विद्या को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आध्यात्मिक गहराई से समझाने का प्रयास किया है। अनुराग अग्रवाल का मानना है कि ष्ज्योतिष न तो केवल भाग्य का खेल है और न ही केवल धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा, यह एक वैज्ञानिक प्रणाली है जो समय, गति और ऊर्जा के गूढ़ संबंधों को समझाती है। पुस्तक में आधुनिक विज्ञान, खगोलशास्त्र और आध्यात्मिक अनुभवों को जोड़ते हुए यह बताया गया है कि कैसे ग्रहों की चाल और ब्रह्मांडीय ऊर्जा हमारे जीवन को प्रभावित करती है। साथ ही यह पुस्तक उन आम धारणाओं और भ्रांतियों को भी चुनौती देती है जो ज्योतिष को मात्र टोने-टोटके से जोड़कर देखती हैं।

यह किताब न केवल ज्योतिष में रुचि रखने वालों के लिए उपयोगी है, बल्कि विज्ञान और दर्शन में गहरी सोच रखने वाले पाठकों के लिए भी एक अद्भुत अनुभव प्रदान करती है। सरल भाषा, रोचक उदाहरणों और गहन विश्लेषण से भरी यह पुस्तक अब बाजार में उपलब्ध है। यह किताब न सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों में भी ज्योतिष को समझने वाले पाठकों के बीच चर्चा का विषय बन सकती है। लेखक अनुराग अग्रवाल एक सफल व्यवसायी, निवेशक और गहन सोच रख्सने वाले लेखक हैं। वे विज्ञान, दर्शन और भारतीय परंपराओं को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं।

दो होनहार छात्रों का सैनिक स्कूल में चयन, ग्राम और संस्था का नाम रोशन

बढ़ता राजस्थान

प्रागपुरा (सुशील कुमार बंसल)। निकटवर्ती चौकी गोवर्धनपुरा में स्थित रूरु छ्स्स्ध्वस में अध्ययनरत कक्षा 6 की छात्रा अनामिका पुत्री राजेन्द्र यादव निवासी गोवर्धनपुरा और साहिल पुत्र महेन्द्र यादव ने सैनिक स्कूल में चयनित होकर अपने ग्राम और संस्था का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से दोनों छात्रों के परिवार और संस्था में खुशी की लहर है। संस्थापक अनुप यादव और संदीप यादव ने चयनित छात्रों के घर जाकर परिजनों के साथ छात्रों को मिठाई खिलाकर इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। संदीप यादव ने कहा कि यह दोनों छात्र संस्था के लिए गर्व का विषय हैं और उनकी इस उपलब्धि से संस्था का नाम रोशन हुआ है। संदीप यादव ने बताया कि M.L. CLASSES में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने आर्मी, SSC-GD और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी सफलता हासिल की है। संस्था का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। अनामिका और साहिल के परिवार में इस उपलब्धि के लिए खुशी की लहर है। दोनों छात्रों के परिवार ने संस्था और शिक्षकों को उनकी सफलता के लिए धन्यवाद दिया है। अनामिका और साहिल ने अपनी सफलता का श्रेय संस्था और शिक्षकों को दिया है और कहा है कि उनकी मेहनत और संस्था की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर बच्चों का किया स्वागत, मिठाई बांटकर मनाई खुशी

बढ़ता राजस्थान

साहवा (कृष्ण कुमार)। कस्बे के निकटवर्ती गाँव दूलेरी के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 8 के शानदार परीक्षा परिणाम रहने पर बच्चों का स्वागत किया तथा मिठाई वितरण का खुशी का इजहार किया। अध्यापक लक्ष्मीनारायण उपाध्याय (वृक्ष मित्र) ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को घोषित हुए आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में विद्यायल के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। शानदार परीक्षा परिणाम की सफलता पर स्टाफ ने बच्चों को मिठाई खिलाकर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुभाष चंद्र पचार, मोहनलाल सिहाग, भंवरलाल शर्मा ,ओमवीर वर्मा , अनीता सहारन ,संजू ,सरोज, विद्या कुमारी, प्रेम कंवर ,कृष्णा कंवर रघुवीर सिंह ,गिरधारी सिंह पृथ्वी सिंह, आनन्द सिंह सहित समस्त विद्यालय स्टाफ, बच्चों के अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फल विक्रेताओं के वेयर हाउसेज, कोल्ड स्टोरर्स व रिटेल विक्रेताओं का निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत कांकरोली स्थित सब्जी मंडी में फल विक्रेताओं के वेयर हाउस तथा फल पकाने के स्टोर्स का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचन्द शर्मा व टीम ने किया तथा वहां से एक्ट के अनुसार सेम्पल लिये । यह जानकारी सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने दी। उन्होंने बताया कि तरबूज, आम, केला, अनार, संतरा व सेब के अलग - अलग 12 सेम्पल एवं खीरा, भीण्डी, करेला व तुरई सब्जियों के 4 सेम्पल जांच के लिये गये। निरीक्षण के दौरान मौके पर ही 50 किलोग्राम खराब व सड़े - गले तरबूज नश्ट करवाये गये। निरीक्षण के दौरान कार्बाइड तथा एसीटिलीन से फलो को पकाने का कोई मामला नही पाया गया।

भीलवाड़ा के मरीज श्रवण जांच के लिए दर-दर भटकने को मजबूर : दो साल से नहीं मिल रहा समाधान

महात्मा गांधी अस्पताल में ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग सुविधा का अभाव, गरीब और बुजुर्ग मरीजों की बढ़ी पीड़ा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। शहर के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थान महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा में ईएनटी (कान, नाक और गला) विभाग में ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग की सुविधा लंबे समय से अनुपलब्ध है। इसके कारण विशेष रूप से श्रवण बाधित, बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जांच की सुविधा नहीं होने के कारण मरीजों को मजबूरी में जयपुर, अजमेर, उदयपुर जैसे शहरों के निजी चिकित्सा केंद्रों की ओर रुख करना पड़ता है। इससे मरीजों पर आर्थिक बोझ तो बढ़ता ही है, साथ ही समय और संसाधनों की भी बर्बादी होती है।

जयपुर रैफर से शुरू होकर अन्य राज्यों तक भटकाव : स्थानीय समाजसेवी मोहम्मद हारून रंगरेज ने बताया कि यह समस्या पिछले दो से तीन वर्षों से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। मरीजों को पहले जयपुर रैफर किया जाता है और वहां से कभी-कभी अन्य राज्यों तक भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई मरीज इलाज के अभाव में पीड़ित रहते हैं और आर्थिक रूप से भी टूट जाते हैं, उन्होंने बताया।

गरीब मरीजों की बढ़ती दुश्वारियां : परेशानी खासकर उन मरीजों के लिए और अधिक विकराल हो जाती है, जो पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर हैं। निजी चिकित्सा केंद्रों में महंगी जांच कराना उनके लिए संभव नहीं होता, जिससे वे उचित इलाज से वंचित रह जाते हैं।

जनता को समाधान की प्रतीक्षा : रंगरेज ने अस्पताल की प्रिंसिपल डॉ. वर्षा सिंह और अधीक्षक डॉ. अरुण गॉड से मांग की है कि महात्मा गांधी अस्पताल के ईएनटी विभाग में ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग सुविधा शीघ्र शुरू की जाए, ताकि मरीजों को राहत मिल सके और समय पर सटीक उपचार प्राप्त हो।

स्थानीय स्तर पर सुविधा से होगा व्यापक लाभ : यदि यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करवा दी जाए, तो इससे न केवल आमजन की परेशानी कम होगी, बल्कि सरकारी अस्पताल की सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। अधिकारियों द्वारा एक नर्सिंग स्टाफ को बेरा जांच की ट्रेनिंग दिलवाकर लगाया गया लेकिन नाक कान गला विभाग द्वारा उसको विरोध करने पर हटा दिया गया. इससे यह प्रतीत होता है कि डॉक्टर को भी इसमें आम मरीज के हित में नहीं है लेकिन सरकार को इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को राहत मिल सके।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के उदयपुर संभाग स्तरीय वाहन जत्थे का कपासन में स्वागत

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेशव्यापी आंदोलन में भाग लेने हेतु सोमवार को उदयपुर संभाग के शिक्षकों का वाहन जत्था संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत खराड़ी एवं डूंगरपुर जिलाध्यक्ष धनराज खराड़ी की अगुवाई में कपासन पहुंचा।इस दौरान जनवादी सगठनों द्वारा वाहन जत्थे का श्रमिक भवन में माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

गौरतलब है कि राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत विगत एक माह से शिक्षको के स्थानांतरण,बकाया पदोन्नति, स्थाई स्थानांतरण नीति,नई शिक्षा नीति 2020 की पुन: समीक्षा,गैर-शैक्षणिक कार्यों के विरोध सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलनरत है।इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत खराड़ी ने कहाकि प्रदेश सरकार पिछले कई वर्षो से शिक्षको की जायज मांगों को अनदेखा कर रही है।इसलिए प्रदेशभर का शिक्षक वर्ग आंदोलनरत है । इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्मिक के जिला संयोजक गोपाल शर्मा,मिड डे मील कार्मिक जिलाध्यक्ष रतनलाल शर्मा,निर्माण श्रमिक संगठन के जिला महामंत्री हनीफ मोहम्मद मंसूरी,आखिल भारतीय किसान सभा जिला महामंत्री परसराम भील, देवीलाल कुमार,रमेश बापना आदि उपस्थित रह।

योजनाओं की समीक्षा एवं मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर पं.स. कपासन के अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। पंचायत समिति कपासन के महाराणा प्रताप सभागार में सोमवार को बैठक आयोजित कर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। पंचायत समिति कपासन विकास अधिकारी मुकेश पोरवाल ने बताया कि पंचायत समिति सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना,विधायक-सांसद मद, डीएमएफटी आदि योजनाओं के अन्तर्गत क्षेत्र में हुवे विकास कार्यो से सृजित परिसम्पतियों एवं

उपयोगिता प्रमाण पत्र आदि योजनाओं संबंधी समीक्षा की गयी।उक्त बैठक में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान अपने दायित्वों का सुनियोजित निर्वहन हेतु क्षेत्रीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक द्वारा अधिकारियों एवं कार्मिकों को विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक द्वारा प्रति ग्राम पंचायत में 500 से ज्यादा श्रमिक नियोजित हेतु निर्देशित तथा कहाकि जहां कार्य कम स्वीकृत है।उनके प्रस्ताव भेजे जिन्हे तुरंत स्वीकृत किया जायेगा।साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक द्वारा योजनाओं की समीक्षा के साथ मुख्यमंत्री हरियालों राजस्थान कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण संबंधी तैयारी के तहत भूमि चयन,गड्ढे खोदना,उपजाऊ मिट्टी की थैलियां भरना,बीज आदि व्यवस्थाएं वर्षा ऋतु से पूर्व सुनियोजित करने सहित सामाजिक अंकेक्षण की एटीआर अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया। इस समीक्षा बैठक में अधिशाषी अभियंता विशाल सोनी,सहायक अभियंता गजेन्द्र सिंह खंगारोत सहित क्षेत्रीय सहायक विकास अधिकारी,प्रशासक ग्राम विकास अधिकारी,कनिष्ठ सहायक,ग्राम रोजगार सहायक एवं पंचायत समिति के अधिकारी एवं कार्मिकगण उपस्थित रहे।

फ्री जल सेवा समिति द्वारा निःशुल्क जल उपलब्ध कराने वालो का किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के चौमहला फ्री जल सेवा समिति द्वारा रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित कर समिति को नि:शुल्क जल उपलब्ध कराने वालो का सम्मान किया गया।

फ्री जल सेवा समिति द्वारा गत 45 वर्षों से गर्मी के दिनों में रेलवे स्टेशन पर दिन के समय आने वाली ट्रेनों पर यात्रियों को ठंडा जल पिलाया जाता है,समिति ने इसके लिए स्टेशन पर अस्थाई प्याऊ भी लगाई जाती हर साथ ही समिति के सदस्य ट्रेन के प्रत्येक डिब्बे पर पहुंच कर यात्रियों को पानी पिलाने का कार्य करते है। रेलवे द्वारा गत वर्ष से समिति को बिजली,पानी उपलब्ध नहीं करने का निर्णय लिया तथा समिति को स्वयं ही अपने स्तर पर पानी का व्यवस्था कर प्याऊ संचालित करने की स्वीकृति दी थी,तब समिति हताश हो गई थी इसी दौरान कुंडला राव हेमचंद्र सिंह झाला,रवि झाला ने स्वयं के कुएं से पानी उपलब्ध कराने को कहा था,गत वर्ष इस वर्ष भी इन्हीं लोगों के कुएं से स्वय की मोटर से प्याऊ तक पानी पहुंचा जा रहा है इस पुनीत कार्य को देखते हुए फ्री जल सेवा समिति द्वारा हेमचंद्र सिंह झाला,रविराज सिंह झाला का साफा बांधकर शाल ओढ़कर व स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल,ओम प्रकाश निगम,इस्माइल खान,पंकज गुप्ता, समरथ भंडारी,राहुल पासी,मनीष पासी,बीजू पंजाबी,सुनील वर्मा,भव्य गुप्ता,बृजमोहन पंजाबी, दिलीप जैन ,बबलू तिवारी ,ललित कुमार नीमा,विनोद जैन,दुलीचंद प्रजापति, शंकर सिंह, सज्जन सिंह,गोवर्धन सिंह,शंभू सिंह करण सिंह,कालू लोकेश मीणा आशुतोष सेन राहुल मालवीय पंकज डोसी,प्रिंस सोनी भोला टेलर, श्याम खामोर,लकी पंजाबी लक्ष्य पंजाबी आशुतोष बैरागी,मनोहर मोदी,सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

बडलियास पुलिस ने कोठारी नदी से अवैध बजरी परिवहन करते 2 जेसीबी और 4 ट्रैक्टर किए जप्त

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। पुलिस थाना बडलियास द्वारा दिनांक 25.05.2025 को अवैध खनिज बजरी परिवहन करते हुए दो बैंकहो लोडर (जेसीबी) और चार ट्रैक्टर जप्त किए गए। यह कार्यवाही भीलवाड़ा के पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र आईपीएस द्वारा अवैध बजरी खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की गई। अभियान का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन के निर्देशन और वृताधिकारी माण्डलगढ़ बाबूलाल विश्नोई के सुपरविजन में किया गया। पुलिस टीम का नेतृत्व डीएसटी प्रभारी महेन्द्र सिंह, थाना बडलियास प्रभारी जेठमल, और चौकी सवाईपुर प्रभारी अशोक कुमार ने किया। दिनांक 25 मई को थाना बडलियास क्षेत्र में अवैध खनन की निगरानी और गश्त के दौरान जित्यास गांव, कोठारी नदी के पास से दो बैंकहो लोडर (जेसीबी) और चार ट्रैक्टर को जप्त किया गया। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर खनिज अभियंता को सूचित किया गया है और अग्रिम कार्यवाही जारी है। इस कार्यवाही में डीएसटी टीम जिला भीलवाड़ा के साथ-साथ थाना बडलियास के पुलिसकर्मी रवि कुमार, रजनीश और संदीप कुमार भी शामिल रहे।

डोडा चूरा तस्करी में दो तस्कर गिरफ्तार, 73 किलो मादक पदार्थ बरामद

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। पुलिस थाना बागोर द्वारा अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा की तस्करी में लिप्त एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस, जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा द्वारा चलाए जा रहे अवैध डोडा चूरा परिवहन एवं लोकल स्पेशल एक्ट की कार्यवाही अभियान के अंतर्गत, रोशन पटेल आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन में तथा मेघा गोयल आरपीएस, वृत्ताधिकारी वृत्त मांडल, जिला भीलवाड़ा के सुपरविजन में यह कार्यवाही की गई। दिनांक 17.05.2025 को थानाधिकारी थाना मांडल राजपाल सिंह एवं पुलिस टीम द्वारा की गई कार्यवाही में आरोपी परदीप कुमार पुत्र रामपाल वर्मा, उम्र 42 वर्ष, निवासी पीपली वाला टाउन, मनीमाजरा, थाना मनीमाजरा, जिला चंडीगढ़ को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक कैंटर (रजिस्ट्रेशन नंबर 01 ज्ठ 4982) में दो कट्टों में रखा हुआ कुल 73 किलो 220 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया। इस संबंध में प्रकरण संख्या 158/2025, अपराध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान का जिम्मा थानाधिकारी थाना बागोर भंवरलाल को सौंपा गया। गिरफ्तार आरोपी की सूचना के आधार पर तस्करी में अन्य संलिप्त आरोपी की तलाश हेतु थाना बागोर से एक टीम गठित की गई। इसी क्रम में बाबूलाल पुत्र पोकरराम, उम्र 25 वर्ष, निवासी भुंका भगत सिंह, तहसील सिणधरी, थाना सिणधरी, जिला बालोतरा को तस्करी में संलिप्त पाए जाने पर भादसोडा, जिला चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है इस कार्यवाही में पुलिस टीम में थानाधिकारी भंवरलाल, कांस्टेबल रवि कुमार (233), कांस्टेबल संजय कुमार (465) एवं चालक कांस्टेबल सहदेव (2303) थाना बागोर शामिल थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में बाबूलाल पुत्र पोकरराम, जाति जाट, उम्र 25 वर्ष, निवासी भुंका भगत सिंह, तहसील सिणधरी, थाना सिणधरी, जिला बालोतरा शामिल है।

तिरंगा और सिंदूर शौर्य यात्रा में भारत माता के लगे जयकारे

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए शहर की समस्त मातृशक्ति द्वारा तिरंगा व सिंदूर शौर्य यात्रा निकाली गई। तिरंगा व सिंदूर शौर्य यात्रा में मुख्य अतिथि सभापति सरोज अग्रवाल थी।

अध्यक्षता बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने की। मुख्य वक्ता डॉ नील प्रभा नाहर रही । मुख्य वक्ता ने कहा कि देश के हर नागरिक ने संकल्प लिया है कि आतंकवाद को खत्म करना ही है । उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं यह बदलते भारत की तस्वीर है । सोमवार शाम को तिरंगा व सिंदूर शौर्य यात्रा आजाद पार्क से शुरू हुई और सूर्यमल मिश्रण चौराहा, सब्जी मंडी रोड, नागर सागर कुंड ,चौगान दरवाजा, इंदिरा मार्केट, अहिंसा सर्किल, एक खंबे की छतरी होते हुए आजाद पार्क पर पहुंचकर संपन्न हुई ।

तिरंगा यात्रा में बैंड की देशभक्ति धुन पर देशभक्ति गीतों और भारत माता की जय एवं वंदे मातरम की जय घोष से शहर को गूंजायमान कर दिया । तिरंगा यात्रा में महिलाएं हाथों में लहरा के तिरंगे और देशभक्ति से ओतप्रोत जज्बा देखते ही बन रहा था । यात्रा में क्षेत्र के प्रबुद्धजन हाथों में तिरंगा लिए हुए चले । तिरंगा यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया । इस दौरान संयोजक रवीना कुमावत ,सहसंयोजक मनीषा वैष्णव ,इंदिरा शर्मा , डॉ पारुल सोनी , डॉ बृजबाला गुप्ता ,आशा मीणा, चंद्रेश जैन ,श्वेता भंडारी , महिमा शर्मा , ख्याति भंडारी, ललिता नुवाल , अनीता जैन , विजयलक्ष्मी शर्मा , किरण शर्मा, शारदा नामा , संगीता प्रभु , साधना श्रंगी , मीनू शर्मा ,रेखा पांडया , कुसुम सिंह सहित महिलाएं मौजूद रही ।

केमिकल से पकाए फलों की जांच के लिए फलों के नमूने लिए केमिकल का प्रयोग करने पर होगा लाइसेंस निरस्त

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। फलों को पकाने हेतु एसिटीलीन, कैल्शियम कार्बाइड, कृत्रिम मिठास व अन्य मिलावट की जाँच के लिए जिला मुख्यालय स्थित बजरिया सब्जी मण्डी व रीको इंडस्ट्रियल एरिया मे फलों कर नमूने लिए गए।

फलों के 12 नमूने किए एकत्रित, सड़े हुए फल करवाये नष्ट : शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान कब तहत आमजन को शुद्ध एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ व गर्मी के मौसम में शुद्ध फल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवम औषधि नियंत्रक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर डॉ. अनिल कुमार जैमिनी के निर्देशानुसार जिले में 24 से 30 मई तक फलो के नमूनीकरण व निरीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बजरिया स्थित सब्जी मंडी से 10 नमूने लिए गए जिनमे से सेब के 2, तरबूज के 2, अंगूर के 2, चीकू के 1,आम के 2, संतरा के 1 व रीको इंडस्ट्रियल एरिया खेरदा स्थित केले के एक गोदाम से 2 नमूने केले के खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए गए। विभाग द्वारा लिए गए फलो के नमूनों में कृत्रिम रंग, कृत्रिम मिठास (सेकेरिन), वैक्स कोटिंग व एसिटीलीन/कैल्शियम कार्बाइड द्वारा पकाये जाने व अन्य प्रकार की मिलावट की जाँच की जाएगी। साथ ही लगभग 60 किलोग्राम आम सड़े गले होने पर मोके पर ही नष्ट कराए गए। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा दल द्वारा सप्ताह भर फलों का नमूनीकरण व गोदामो का निरीक्षण किया जाएगा व किसी भी प्रकार के मिलावटी व कृत्रिम रूप से पकाने हेतु अगर एसिटीलीन या कैल्शियम कार्बाइड काम में ली जा रही है तो मोके पर ही जांच कर लाइसेंस निरस्त कर गोदाम को बंद करने उचित कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश पूर्विया व खाद्य सुरक्षा अधिकारी नितेश गौतम द्वारा की गई।

बसंत विहार गांधी नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रायोजित कबड्डी में विजेता रही टीम को किया पुरस्कृत

भोपालगंज विजेता, सुभाष नगर उपविजेता, आरकेआरसी टीम रही तृतीय

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। श्रीनगर माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव 2025 के तहत बसंत विहार गांधी नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रायोजित महेश प्रो कबड्डी प्रतियोगिता दुधिया रोशनी में महेश स्पोटस एकेडमी मे आयोजित हुए। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की सतरंगी मेले के समापन समारोह मे एसएन मोदानी, भेरुलाल विजय श्रीकांत बाल्दी, कैलाश, कमल सोनी, श्रीगोपाल राठी, विकास शारदा, पीयूष लढ़ा, राजेंद्र नवीन कोगटा, सुनील जागेटिया, प्रकाश नुवाल, केदार गगरानी, संजय जागेटिया, प्रभारी सुधीर बाहेती, महेश जाजू, परीक्षित नामधर, विनय माहेश्वरी, कुंज बिहारी चांडक के सानिध्य मे बसंत विहार गांधी नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा प्रथम, द्वितिय तथा तृतीय स्थान पर रही भोपालगंज टीम को 21000 नगद, ट्रॉफी व मेडल, सुभाष नगर टीम 11000 नगद, ट्रॉफी व मेडल तथा आरकेआरसी टीम को 5100 नगद, ट्रॉफी व मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया।

शिक्षकों के स्थानांतरण से रोक हटाएं सरकार शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा/शाहपुरा (अमित शर्मा) । राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय फुलिया कला द्वारा उपशाखा अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में तृतीय श्रेणी अध्यापकों सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण से रोक हटाकर जल्द स्थानांतरण करने को लेकर एवं विगत आठ माह से कुक कम हेल्पर का मानदेय भुगतान नहीं होने एवं कुकिंग कन्वर्जन की राशि अधूरी भुगतान होने से विद्यालयों में पोषाहार पकाने वाले कुक कम हेल्पर को आर्थिक रूप से परेशानी हो रही है एवं विद्यालय में पोषाहार बनाने के लिए बाजार से खरीदी जाने वाली सामग्री लाने में परेशानी हो रही है इन को लेकर उपखंड अधिकारी फूलिया कलां को शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार एवं आयुक्त, मिड डे मिल, जयपुर के नाम ज्ञापन सौंपा । अध्यक्ष का कहना है कि शिक्षा विभाग सरकार का सबसे बड़ा विभाग होते हुए भी लगातार शिक्षको की अनदेखी की जा रही है द्य इससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है द्य संगठन ने मांग की है कि शिक्षा विभाग के तृतीय श्रेणी अध्यापकों सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण से रोक हटाकर राहत प्रदान करे ।

तुर्की हम्माम (भाप स्नान) और उसके लिए परफेक्ट वैलनेस सेंटर की आवश्यकता क्यों है ?

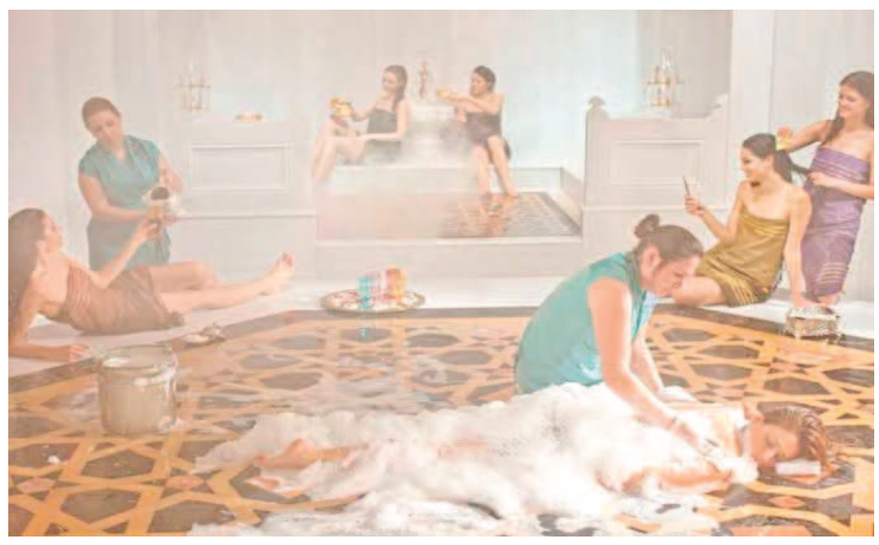

इतिहास

तुर्की हम्माम को भाप स्नान के नाम से भी जाना जाता है, यह एक प्राचीन स्नान है जो मध्य पूर्व में उत्पन्न हुई और ऑटोमन साम्राज्य में लोकप्रिय हुई । यह एक पारंपरिक स्नान और सफाई प्रक्रिया थी , यह 1299 में ऑटोमन साम्राज्य की स्थापना के बाद हम्माम हर शहर में एक अहम हिस्सा बन चुका था, इससे लोग स्वच्छता बनाये रखने और आराम करने के लिए इन सार्वजनिक स्नानघरों पर निर्भर रहने लगे थे ।

प्रक्रिया-इसमें एक विशेष प्रकार का स्टीम रूम होता है जहाँ गर्म हवा, भाप, मालिश और अंत में ठंडे पानी से स्नान कराते हैं । यह प्रक्रिया पूरी होने में 8 दिन का समय लगता हैं इसके लिए आठ दिन का वेलनेस सेंटर पर भर्ती होना पड़ता हैं । महिला और पुरुष के लिए तुर्की स्नान के लिए कमरे अलग अलग होते हैं इसलिये प्रक्रिया के लिये परफेक्ट वेलनेस सेंटर की आवश्यकता होती हैं । यह विश्राम, सफाई और सामाजिक बातचीत के लिए एक लोकप्रिय तरीका भी था .इसमें उच्च गुणवत्ता वाली लकड़ी गर्म की जाती हैं जो मनमोहक प्राकृतिक सुगन्ध छोड़ती हैं जिससे उपयोगकर्ता आनन्द और मस्ती में रहते हैं । उपयोगकर्ताओं को लकड़ी की बेंच या बिस्तर पर बैठाते हैं और नमी बढ़ाने और भाप बनाने के लिए गर्म पत्थरों पर पानी डालते हैं इस प्रक्रिया को फिनिश में लॉयली के नाम से जाना जाता हैं ।

इसे शरीर और मन की देखभाल के लिए एक पारम्परिक अनुष्ठान के रूप में पूर्ण किया जाता हैं।

तुर्की हम्माम (भाप स्नान) प्रक्रिया

1. प्रारम्भिक चरण -

गर्म हवा - पसीना लाने के लिए गर्म कमरे में प्रवेश कराते हैं जहाँ तापमान और आर्द्रता धीरे धीरे बढ़ने से पसीना आता हैं। इसमें व्यक्ति को दो दिनों तक की प्रक्रिया से गुजरना होता हैं।

भाप- फिर एक कम गर्म कमरे में प्रवेश कराते हैं जहाँ आर्द्रता 100% तक होती है और तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस होता है। यहाँ भाप से स्नान कराने पर शरीर को और अधिक गर्म करता है और त्वचा को साफ़ करता हैं। इसमें भी व्यक्ति को दो दिनों तक प्रक्रिया से गुजरना होता हैं।

2. दूसरा चरण में मालिश

एक प्रशिक्षित कर्मचारी को साबुन और एक्सफोलिएंट से पानी के साथ रगड़कर और मालिश करके साफ करता है जिससे मृत त्वचा कोशिकाएँ हट जाती हैं। दो दिनों तक व्यक्ति की मालिश की जाती हैं।

3. तीसरे चरण में ठंडा पानी से स्नान

अंत में ठंडे पानी या शॉवर से स्नान कराते हैं जो शरीर को ताज़ा करता हैं। इस प्रक्रिया में व्यक्ति को एक दिन लगता हैं।

4. चौथा चरण में आराम

इसके बाद व्यक्ति को आराम- विश्राम के लिए एक अलग कमरे में ले जाया जाता हैं। यहाँ व्यक्ति को तरल पदार्थ का सेवन कराते है जैसे दूध,चाय, फलों का रस, ठंडे पेय ताकि तरोताजा हो सके। इस प्रक्रिया में एक दिन का समय लगता हैं।

हमाम के लाभ

1. शरीर की शुद्धता के लिए सफ़ाई करना-यह शरीर को गहराई तक साफ़ करता है एवं मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है जिससे त्वचा और शरीर को चिकना व स्वस्थ बनाता है।
2. रक्त संचार में सुधार कर मांसपेशियों को आराम देता हैं -गर्म पानी और भाप के तापमान से रक्त वाहिकाओं को आराम पहुँचता हैं, और त्वचा के छिद्रों को खोल कर पसीने को बाहर निकलने के लिए प्रेरित करता हैं जिससे रक्त से विषाक्त पदार्थों और अशुद्धियों को शरीर से खत्म कर एपिडर्मिस की गहराई तक सफ़ाई करता है। जिससे ऑक्सीजन प्रवाह बढ़ता है एवं त्वचा की सेल्यूलर का नवीनीकरण, अनेक रोगों का निवारण जैसे मुँहासे और त्वचा की सूजन को कम करने में सहायक है।
3. तनाव कम करना-यह मांसपेशियों को आराम देने के साथ तनाव को भी कम करने में मदद करता है।
4. इस सामाजिक गतिविधि से सामाजिक प्रथा को संभल मिलता हैं -यह एक सामाजिक गतिविधि है जहाँ लोग एक साथ स्नान करते हैं, एवं बात करते हैं।
5. सांस्कृतिक- यह ऑटोमन संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो सार्वजानिक स्नान की एक मज़बूत परम्परा को ज़िंदा रखता हैं।
6. आराम और विश्राम-यह आराम विश्राम तनाव को कम करने में मदद करता है जिससे मांसपेशियों को आराम, रक्त संचार को बढ़ाती है और बुद्धि क्षमता को बढ़ाने में सहयोग करता हैं।
7. यह भाप स्नान आनन्द, पुनर्जनन और स्वस्थ मन का पर्याय बना हुआ हैं। साथ ही यह शरीर को पुनर्जीवित और शुद्ध करता है।
8. तुर्की स्नान से शरीर के स्थानीय दर्द में भी छुटकारा मिलता हैं।

हम्माम में क्या सावधानी रखनी चाहिए

1. पुरुष और महिला खंड-परफेक्ट वेलनेस सेंटर होने चाहिये, ताकि पुरुष और महिला को अलग अलग खंडों में सुरक्षित रख सकें।
2. हाइजीन का पूरा ख्याल रखा जाएँ-तुर्की स्नान करने के लिए एक विशेष वस्त्र लंगोटी (पेस्टेमेल) और पोषण सामग्री का पूरा ध्यान रखा जाएँ।
3. व्यक्तिगत स्वच्छता रखें -अपने अपने कक्ष को रहन-सहन, साफ़ सुथरा स्वच्छ रखना चाहिए, चाहें तो अपने साथ खुद के हेयर रिमूवल, पेस्टेमेल, साबुन, तौलिया, चप्पल, तेल और कंघा भी रख सकते है।
4. यदि हृदय रोग, गर्भावस्था, उच्च रक्तचाप या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं, तो हम्माम नहीं करना चाहिए।

“
डॉ लियाक़त अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल
जयपुर (राज.)

सोने से पहले स्किन पर आप इन चीजों से करें मसाज, दमक उठेगा आपका चेहरा

अधिकतर लोग दिनभर काफी बिजी रहते हैं। ऐसे में दिन में स्किन की केयर नहीं कर पाते। लेकिन रात को लोग स्किन की देखभाल करते हैं। रात क सोने से पहले स्किन की देखभाल करने से स्किन अच्छे से रिपेयर होती हैं और स्किन ग्लोइंग भी बनती हैं।

कई बार लोग स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए कई तरह की प्रोडक्ट्स का स्किन पर इस्तेमाल करने लगते हैं। ये प्रोडक्ट्स महंगे होने के बाद स्किन को नुकसान भी पहुंचाते हैं। इन प्रोडक्ट्स में हानिकारक तत्व मिलें होते हैं, जो स्किन को अंदरूनी तौर पर नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए सोने से पहले इन चीजों से चेहरे की मसाज करें। ये चीजें चेहरे को ग्लोइंग बनाने के साथ स्किन की कई प्रॉब्लमस की दूर भी करती हैं।

नारियल का तेल : नारियल का तेल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। नारियल का तेल स्किन को माश्चराइज करके स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। नारियल के तेल से मसाज करने के लिए हाथों पर थोड़ा सा नारियल का तेल लें। अब इस तेल से चेहरे 3 से 5 मिनट तक मसाज करें। ऐसा नियमित करने से चेहरे की दाग-धब्बे भी कम होगे। अगर आपको चेहरा ज्यादा ऑयली लग रहा है, तो सोने से पहले चेहरे को सादे पानी से वॉश भी कर सकते हैं।

एलोवेरा : एलोवेरा जेल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चेहरे पर इसको लगाने से पिंपल्स की समस्या, डार्क सर्कल्स और झाइयों की समस्या दूर होती हैं। चेहरे पर एलोवेरा लगाने से स्किन ग्लोइंग बनती है। रोज रात को सोने से पहले स्किन पर इससे मसाज करने से स्किन सॉफ्ट होती हैं। चेहरे पर मसाज करने के लिए हाथ पर थोड़ा सा एलोवेरा जैल लें। उसके बाद हल्के हाथ से चेहरे की मसाज करें।

बादाम का तेल : बादाम का तेल स्किन को हेल्दी रखने के साथ स्किन की रंगत को भी सुधारता है। बादाम के तेल में विटामिन ए, विटामिन ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड आदि पाए जाते हैं, जो स्किन के दाग-धब्बे कम करने में मदद करता हैं। बादाम के तेल से मसाज करने के लिए थोड़ा सा बादाम के तेल हाथ में लें। उसके बाद चेहरे की सर्कुलर मोशन में 5 मिनट तक मसाज करें।

शहद : शहद स्किन के लिए बहुत

फायदेमंद होता है। ये चेहरे से गंदगी को हटाकर चेहरे को ग्लोइंग बनाने में मदद करता हैं। चेहरे पर शहद लगाने के लिए कटोरी में थोड़ा शहद निकालें। अब एक पतली से लेयर शहद की चेहरे पर लगा लें। आधे घंटे के बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा करने से स्किन चमकदार बनती है।

खीरा का रस : खीरे का रस स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ये स्किन को ठंडक देकर चेहरे की सूजन को भी दूर करता है। खीरे का रस निकालने के लिए खीरे को कद्दूकस करके इसका रस निकालें। अब इस रस को चेहरे पर 5 से 10 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

वजन घटाने और बैली फैट कम करने के लिए घर पर बनाएं ये ड्रिंक्स

अधिकतर लोग वजन कम करने के लिए सही डाइट, नियमित एक्सरसाइज और कई बार डाईटिंग का भी सहारा लेते हैं। लेकिन इतना सब करने के बाद भी वजन कम नहीं होता। ऐसे में वजन को कम करने और बैली फैट को कम करने के लिए घर पर कुछ ड्रिंक्स को बनाया जा सकता हैं। ये ड्रिंक्स वजन कम करने के साथ शरीर को हेल्दी रखने में भी मदद करती हैं। कई बार लोग वजन कम करने के लिए पाउडर ड्रिंक्स का सेवन करने लगते हैं। ये ड्रिंक्स महंगी होने के साथ शरीर के लिए हानिकारक भी होती हैं। ऐसे में शरीर को स्वस्थ रखने और वजन को तेजी से घटाने के लिए घर पर बनाई ड्रिंक्स को पिएं।

दालचीनी का पानी : दालचीनी की पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसको बनाने के लिए एक टुकड़ा दालचीनी का एक गिलास गर्म पानी में उबाल लें। अब 3 से 5 मिनट तक इस पानी को उबलने दें। जब पानी अच्छे से उबल जाएं, तो इस पानी को हल्का ठंडा करके पिएं। इस पानी को रात को सोने से पहले पिएं, तो वजन तेजी से कम होगा।

जीरे का पानी : जीरे का पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसको पीने से वजन कम होने के साथ बैली फैट भी कम होता है। जीरे का पानी बनाने के लिए एक चम्मच जीरे को एक गिसाल पानी में उबाल लें। 2 से 3 मिनट इस पानी को उबलने दें। जब पानी हल्का ठंडा हो जाएं, तो इस पानी को पिएं। ये पानी वजन कम करने के साथ शरीर से विषाक्त पदार्थो को बाहर निकालने में मदद करता हैं।

ग्रीन टी : ग्रीन टी का चलन आजकल काफी बढ़ गया है। ये टी वजन को कम करती है। साथ ही पाचन तंत्र को भी मजबूत करती हैं। ग्रीन टी को नियमित पीने से बैली फैट भी कम होता है। इसको नियमित पीने से मेटाबॉलिज्म भी तेज होता है।

अजवाइन का पानी : अजवाइन का पानी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस पानी को पीने से वजन घटाने के साथ पेट से जुड़ी समस्याएं भी खत्म होती हैं। अजवाइन का पानी बनाने के लिए आधे चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को गर्म करके छान कर पी लें। ये पानी पाचन तंत्र को भी दूर करता है।

तेज पत्ते वाला पानी : तेज पत्ते का पानी पीने से इम्यूनिटी मजबूत होने के साथ वजन भी कम होता हैं। इस पानी को बनाने के लिए एक गिलास पानी को उबालने रखें। जब पानी गर्म हो जाएं, तो इसमें 1 से 2 तेज पत्तों को डाल दें। अब इस पानी को 3 मिनट तक उबलने दें। उसके बाद इस पानी को हल्का ठंडा करके पिएं। ये पानी मौसमी बीमारियों से भी शरीर की रक्षा करता हैं।

नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए अपनाएं ये उपाय

नसें हमारे शरीर के जरूरी अंग होते हैं। नसें पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेट करने का काम करते हैं। ऐसे में नसों का हेल्दी रहना बहुत जरूरी होता है। जैसे ही नसों में कोई दिक्क त आती है, तो व्यक्ति को तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। क्योंकि नसों में दिक्क त आने पर ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से नहीं हो पाता है। इस स्थिति में शरीर के हर अंग तक रक्त सही तरीके से नहीं पहुंच पाता है। ऐसा कई कारणों की वजह से हो सकता है, क्योंकि नसें अलग-अलग बीमारियों के कारण प्रभावित हो सकती हैं। इसमें नर्व ब्लॉकेज भी शामिल होता है। यानी नसों की ब्लॉकेज के कारण रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है और आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। नसों की ब्लॉकेज के कारण हृदय रोग, हार्ट फेलियर जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में नसों की ब्लॉकेज का इलाज करवाना बहुत जरूरी होता है। वैसे तो नसों की ब्लॉकेज का इलाज डॉक्टर ही करते हैं, लेकिन आप कुछ आयुर्वेदिक उपायों की मदद से भी नसों की ब्लॉकेज को खोल सकते हैं।

लहसुन

नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए आपो लहसुन का सेवन कर सकते हैं। अगर आपका नसों की ब्लॉकेज की वजह से शरीर में दर्द रहता है या फिर रक्त का प्रवाह सही तरीके से नहीं होता है, तो आप लहसुन का सेवन कर सकते हैं। लहसुन नसों की ब्लॉकेज को खोलने में फायदेमंद हो सकतका है। इसके लिए आप रोज सुबह खाली पेट लहसुन का सेवन कर सकते हैं। लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी छुटकारा मिल सकता है।

योगाभ्यास करें

नसों की ब्लॉकेज को खोलने के लिए आयुर्वेद में आपको योग करने की भी सलाह दी जा सकती है। रोजाना योग करने से नसों में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है। इससे नसों की ब्लॉकेज को भी खोलने में मदद मिल सकती है।

बादाम

नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए आप बादाम का सेवन कर सकते हैं। बादाम विटामिन्स और मिनरल्स का एक बेहतरीन सोर्स होता है। इसके साथ ही बादाम की तासीर भी बेहद गर्म होती है। नसों की ब्लॉकेज होने पर आप बादाम को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। आप बादाम को भिगोकर खा सकते हैं। रोजाना बादाम खाने से नसें भी मजबूत बनती हैं।

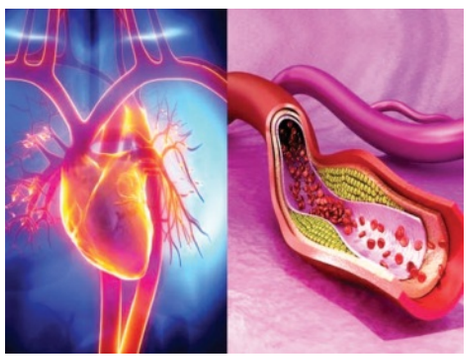

बला

बला एक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है। नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए आप बला का सेवन कर सकते हैं। कुछ दिनों तक रोजाना बल का सेवन करने से नसों की ब्लॉकेज ठीक हो सकती है। साथ ही नसों को मजबूती मिलती हैं और नसों से जुड़ी अन्य समस्याएं भी दूर हो सकती हैं। बला नसों की ब्लॉकेज को खोलने के साथ ही सूजन को कम कर सकता है और पाचन तंत्र को मजबूत बना सकता है।

हरिद्रा

आयुर्वेद में हरिद्रा का उपयोग कई रोगों को दूर करने के लिए किया जाता है। नसों में दर्द का इलाज करने के लिए भी हरिद्रा का उपयोग किया जा सकता है। आयुर्वेद में नसों से जुड़ी समस्याओं का इलाज करने के लिए हरिद्रा फायदेमंद हो सकता है। हरिद्रा ब्लड को प्यूरीफाई करने का भी काम कर सकता है। आप नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए हरिद्रा के पाउडर का सेवन कर सकते हैं।

फैटी लिवर में इन तेल का उपायोग करना चाहिए?

फैटी लिवर में खाना पकाने के लिए कौन से तेल का प्रयोग करें, या कौन से तेल स्वस्थ है इसको लेकर लोग काफी असमंजस में रहते हैं। क्योंकि यह एक ऐसी स्थिति में जिसमें आपके लिवर पर फैट जमा होने लगता है। अगर लिवर में वसा की मात्रा अधिक हो जाती है, तो इससे लिवर फेल होने के साथ ही कई स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। इसलिए इस दौरान सिर्फ हेल्दी फैट्स का सेवन करने की सलाह दी जाती है, वह भी सीमित मात्रा में। अगर फैटी लिवर रोगी रिफाइन या डाल्डा आदि में बने फूड्स का सेवन करते हैं, तो यह उनकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए उन्हें सिर्फ स्वस्थ फैट को ही डाइट में शामिल करना चाहिए।

सरसों का तेल

सरसों के तेल में पका भोजन का सेवन करने से लिवर और प्लीहा को पाचन एंजाइमों को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। जो स्वस्थ और तेज पाचन में मदद करता है, साथी मेटाबॉलिज्म भी तेज होता है। इस तरह से फैट बर्न और अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने में मदद करता है।

जैतून का तेल

जैतून का तेल हेल्दी फैट्स का अच्छी स्रोत है। इसमें मौजूद पॉलीअनसेचुरेटेड फैट, फैटी लिवर रोगियों के लिए बहुत लाभकारी होता है।

कैनोला तेल

जैतून के तेल की तरह कैनोला के तेल में भीप पॉलीअनसेचुरेटेड मौजूद होता है, जिससे यह फैटी लिवर रोगियों के लिए बहुत लाभकारी है।

तिल का तेल

तिल का तेल के तेल में कई यौगिक और गुण होते हैं, जो फैटी लिवर रोगियों के लिए बहुत लाभकारी साबित हो सकते हैं। यह एलेनिन एमिनोट्रांस्फरेज, एस्पर्टेट एमिनोट्रांस्फरेज होते हैं, यह फैटी लिवर वाले लोगों की स्थिति में सुधार करने और इससे राहत पाने में मदद कर सकता है।

सुबह नंगे पैर घास पर चलने से सेहत को मिलेंगे ये फायदे, दूर रहेंगी कई बीमारियां

पैदल चलना हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। वॉकिंग और जॉगिंग शरीर को लंबे समय तक हेल्दी रखने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं शरीर को स्वस्थ रखने के लिए घास पर नंगे पैर चलना स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी होता है। नंगे पैर घास पर चलने से पैरों की स्किन सीधे जमीन को टच करती है, जो शरीर को बहुत फायदा देती है। नियमित घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की रोशनी तेज होने के साथ इम्यूनिटी भी मजबूत होती हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ती हैं : सुबह रोज नंगे पैर घास पर चलने से आंखों की रोशनी तेज होती हैं। जब हम सुबह नंगे पैर घास पर चलते हैं, तो हमारी बॉडी का पूरा प्रेशर पैरों के अंगूठों पर होता है। जिस कारण आंखों की रोशनी बढ़ती हैं। हरी घास आंखों को बहुत राहत भी देती है। इससे आंखों को सुकून मिलता है।

एलर्जी का इलाज : सुबह नंगे पैर घास पर चलने से एलर्जी भी आराम मिलता है। सुबह नंगे पैर घास पर चलने से पैरों की एक्सरसाइज होती हैं और शरीर को आराम भी मिलता है। नंगे पैर घास पर चलने से छींक आने की परेशानी भी दूर होती हैं।

तनाव को करता हैं दूर : सुबह नंगे पैर घास पर चलने से तनाव दूर होने में मदद मिलती है। जब आप काफी स्ट्रेस फील कर रहे हो, तो सुबह नंगे पैर घास पर चल कर देखें। आपका मूड ठीक होगा और तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। सुबह की सूरज की किरणें,

हरी खास और ठंडी हवा तनाव को दूर करती हैं।

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद : सुबह नंगे पैर घास पर चलने से डायबिटीज मरीजों को फायदेमंद होता हैं। अगर डायबिटीज मरीज हरी घास पर चलें, तो डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिलती हैं। ऐसा करने से शरीर में ऑक्सीजन की पूर्ति अच्छी होती है और मरीजों को फायदा मिलता है। डायबिटीज मरीजों को सुबह नियमित घास पर चलना चाहिए। ऐसा करने से उनका मूड भी फ्रेश होता है।

उच्च रक्तचाप में लाभदायक : अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हैं, तो नंगे पैर घास पर चलें। ऐसा करने से ये समस्या कम होने में मदद मिलती है। नंगे पैर घास पर चलने से शरीर को बहुत फायदा होता है। ऐसा नियमित करने से एक्यूपंक्चर पॉइंट काफी एक्टिव हो जाता हैं और आपका पूरा शरीर एक्टिव हो जाता हैं। जिससे हेल्दी रहने में मदद मिलती है।

'उन्हें सलाम करता हूं', अमिताभ ने भारत की आर्थिक तरक्की पर जताया गर्व, लिखा- 3 साल में हम...

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर अपनी देशभक्ति दिखाते हुए भारत की उपलब्धियों पर गर्व जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर खुशी जाहिर की है। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए अग्निवीरों को भी सलाम किया है।

'भारत माता की जय'

अमिताभ ने अग्निवीरों की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अग्निवीर जिंदाबाद। भारत माता की जय!! जय हिंद। इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट की जिसमें उन्होंने लिखा, भारत अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। लगभग 2.5 से 3 साल में हम तीसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने आगे जीडीपी के आंकड़े भी साझा किए -

- *अमेरिका: 30.51 ट्रिलियन*
- *चीन: 19.23 ट्रिलियन*
- *जर्मनी: 4.74 ट्रिलियन*
- *भारत: लगभग 4 ट्रिलियन*

ब्लॉग में की भारत की तारीफ

अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, जैसा मैंने एक्स पर कहा, भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने चौथे स्थान पर अपनी जगह बना ली है। और 2.5 से 3 साल में हम तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। यह उन कुछ गिने-चुने देशों में से एक है, जिन्हें आजादी पाए केवल 75 साल हुए हैं और फिर भी इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

अग्निवीरों की तारीफ

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में अग्निवीरों की भी सराहना की। उन्होंने लिखा, हाल में देश पर हुए हमले के समय, अग्निवीरों ने बहादुरी से मोर्चा संभाला।

ये युवा सैनिक 'अग्निपथ योजना' के तहत सेवा करते हैं। चार साल की सेवा में ये अनुशासन, समर्पण और साहस से भरपूर प्रशिक्षण लेते हैं। इनका जोश और देशभक्ति भारत की सेना को और मजबूत बनाता है। मैं उन्हें सलाम करता हूं, जिन्होंने दुश्मनों का डटकर सामना किया।

लॉकडाउन में विवेक दहिया को लगी थी शराब की लत

बोले- हर रात पीने बैठता था, आदत की वजह से आने लगा था गुस्सा

टीवी एक्टर विवेक दहिया ने लॉकडाउन में शराब की लत लगने का खुलासा किया। विवेक ने बताया कि पहले वह कभी ज्यादा नहीं पीते थे, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत बन गई और इससे वह चिड़चिड़े और परेशान रहने लगे थे। शार्दुल पंडित से उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत विवेक ने बताया, लॉकडाउन के दौरान असल में मेरे ऊपर ये बात तब असर करने लगी, जब मैंने पीना शुरू कर दिया। मैं कभी भी भारी शराब पीने वाला नहीं था। बहुत ही कैजुअल, पार्टी में कभी-कभी पीने वाला। कभी ऐसा नहीं हुआ कि ग्लास लेकर बैठ जाऊं और सोचूं कि दुनिया में बहुत गम है यार, चलो शराब पीते हैं। विवेक ने बताया कि अपने पिता की सलाह पर उन्होंने ट्रैवल के दौरान लिमिटेड एडिशन बॉटल्स इकट्ठा करनी शुरू कर दी। विवेक ने कहा, मेरे पापा भी वैसे ही हैं, मतलब वो अच्छी जिंदगी, आरामदायक और थोड़ी लग्जरी वाली लाइफ पसंद करते हैं। उन्हें सलीका

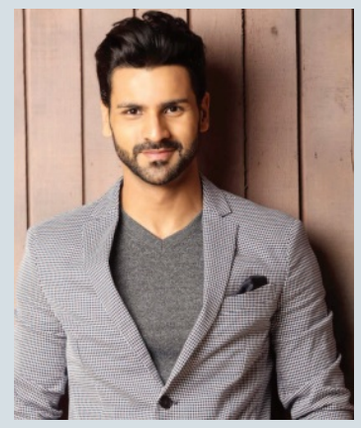

पसंद है। वो कहते थे, 'जब भी तू अपना घर बनाएगा ना, चाहे अंदर कैसा भी हो, बार अच्छा दिखना चाहिए।' उनका मतलब था कि जब तू ट्रैवल करेगा, तो चीजें इकट्ठा कर, एक अच्छा बार बनाना तो मैं और दिव्यांका जब भी ट्रैवल करते थे। हम लिमिटेड एडिशन बॉटल्स इकट्ठा करते थे। धीरे-धीरे एक सुंदर बार बन गया, लेकिन हम कभी ज्यादा इस्तेमाल नहीं करते थे।

शराब पीने के चलते विवेक को गुस्सा आने लगा- विवेक ने बताया कि शराब की आदत का उनकी लाइफस्टाइल पर बुरा असर पड़ा। विवेक ने कहा, लॉकडाउन लग गया। एक दिन अचानक मैंने सोचा, 'अगर मुझे कुछ हो गया, तो इन बॉटल्स का क्या होगा?' ये तो सालों से इकट्ठा की हैं। कुछ मेरे पापा को जाएंगी, कुछ मेरे ससुर जी को, लेकिन क्या वो सबका इस्तेमाल कर पाएंगे? तो मैंने पीना शुरू कर दिया। फिर ये आदत बन गई। हर रात या एक रात छोड़कर मैं एक ग्लास लेकर बैठ जाता, कुछ कंटेंट देखता, कुछ गलत नहीं करता, लेकिन ये लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया और जब ये रोजमर्रा का हिस्सा बन जाता है, तो ये आपकी जिंदगी को बिगाड़ता है। आपकी नींद, आपकी सेहत, मेटाबॉलिज्म, वर्कआउट।

मौसमी चटर्जी ने बताया रेखा से रायवलरी का किस्सा

एक्ट्रेस बोलीं-जब उन्होंने मेरा रोल लेने की कोशिश की तो पूरी टीम उन पर हंसने लगी

मशहूर एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी ने हाल ही में एक और बेहतरीन अभिनेत्री रेखा के साथ अपने रिश्ते पर बात की है। फिल्मफेयर से बातचीत में मौसमी ने कहा, कई बार वो मुझे देखती (अजीब सा चेहरा बनाना) थी और वो ऐसा एक-दो बार करती थी। मैंने उसे एक-दो बार देखा और मैंने बोला क्या? मैंने कहा कि मैं ये बर्दाश्त नहीं करने वाली और सीधे मैं उसके पास गई मैंने कहा कि तुमने ये कैसे किया बताओ, मुझे भी ये करना है। वो घबरा गईं। पता नहीं, उन्हें यह याद भी है या नहीं। रेखा और मौसमी चटर्जी ने प्रेम बंधन, मांग भरो सजना और दासी जैसी कई फिल्मों में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। मौसमी ने रेखा को लेकर ये भी बताया, रेखा को लगता था कि मैं विनोद मेहरा की जिंदगी कंट्रोल कर रही हूं क्योंकि वो उनके घर में बैठी होती थी और उनकी (विनोद) मां मुझसे कहती थीं, इंदु, विनोद की अलमारी से लिफाफा निकाल देना। तो जाहिर है, रेखा को यह सब पसंद नहीं आता था। मौसमी ने आगे कहा, उसे लगता था कि विनोद मेरी बात ज्यादा सुनता है किसी और से ज्यादा। बता दें कि विनोद मेहरा और रेखा के बीच बहुत करीबी रिश्ता था, ऐसी अफवाहें भी थीं कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। हालांकि, कभी भी सार्वजनिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई।

मौसमी चटर्जी ने 'प्रेम बंधन' की शूटिंग का किस्सा भी बताया मौसमी ने प्रेम बंधन की शूटिंग का भी वाकया शेयर किया। मौसमी ने कहा, रामानंद सागर (फिल्म के डायरेक्टर) ने मुझसे कहा कि अपनी हील्स उतार दो, मैने कहा क्यों, उन्होंने कहा, 'हाइट का थोड़ा रेखा नंगे पैर है।' मैंने उनसे कहा, 'मैं पढ़ी-लिखी अमीर औरत हूं। मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। मैं जूते क्यों उतारू? आप मैनेज करो, आप रेखा को स्टूल दे दीजिए, वो उस पर खड़ी हो जाएगी। दासी की शूटिंग के दौरान के अनुभव को याद करते हुए मौसमी ने बताया कि रेखा बार-बार साइड रोल्स में कास्ट किए जाने को लेकर साफ तौर पर परेशान थीं। मौसमी ने कहा, रेखा ने डायरेक्टर राज खोसला से कहा, 'मुझे दासी का रोल दे दो, मैं संजीव कुमार की पत्नी बनना चाहती हूं। मौसमी को दूसरा रोल दे दो।' सभी असिस्टेंट्स जैसे सागर आदि यह सुनकर हंसने लगे। उस वक्त राज खोसला थोड़ा नशे में थे, तो उन्होंने कहा, 'मुझे तो पूरी कहानी ही बदलनी पड़ेगी। बता दें कि मौसमी चटर्जी ने आनंद आश्रम, रोटी कपड़ा और मकान, मंजिल, स्वर्ग नरक और बेनाम जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। वह 1970 के दशक में हिंदी फिल्मों में सबसे अधिक फीस पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं।

57 की उम्र में पिता बनने वाले हैं अरबाज खान

ढीले कपड़ों में शूरा ने बेबी बंप छिपाया, सहारा देकर पत्नी को सीढ़ियों से उतारते दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान जल्द ही पिता बन सकते हैं। इन दिनों शूरा की प्रेग्नेंसी की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। ये खबरें तब आईं, जब कुछ समय पहले कपल को एक क्लिनिक के बाहर स्पॉट किया गया था, वहीं हाल ही में सामने आए एक वीडियो से ये खबरें और तूल पकड़ने लगी हैं। दरअसल, पैपराजी मानव मंगलानी ने हाल ही में कपल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो में अरबाज खान सीढ़ियों से उतरते हुए पत्नी शूरा को संभालते हुए कार में बैठाते दिखे हैं। वहीं दूसरी तरफ वीडियो के कैप्शन में पैपराजी मानव मंगलानी ने लिखा है, अरबाज खान मुंबई में लंच के बाद अपनी प्रेग्नेंट पत्नी को कार में बैठाते हुए। वहीं दूसरी तरफ आमतौर पर फिटेड कपड़े पहनने वालीं शूरा खान भी ओवरसाइज्ड को-ऑर्ड सेट में दिख रही हैं, जिसे देखकर लोगों ने कयास लगाए हैं कि वो अपना बेबी बंप छिपाने की कोशिश कर रही हैं। बताते चलें कि रविवार को मुंबई में लंच रखा गया था, जिसमें अरबाज खान पत्नी शूरा के साथ, बॉबी देओल पत्नी तान्या के साथ और आमिर खान बेटे आजाद और गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ पहुंचे थे।

क्लिनिक के बाहर स्पॉट हुए थे अरबाज-शूरा

कुछ समय पहले ही अरबाज खान पत्नी शूरा के साथ एक क्लिनिक के बाहर स्पॉट हुए थे। जैसे ही कपल की नजरें पैपराजी की तरफ पड़ीं तो वो झिझक गए। बता दें, अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा ने 12 दिसंबर 1998 में लव मैरिज की थी। शादी के 19 साल बाद 2017 में दोनों ने तलाक ले लिया। इसके बाद 57 साल के अरबाज खान ने 24 दिसबंर 2023 को 32 साल की शूरा खान से शादी की।

प्रोड्यूसर की कॉलर पकड़ी : दिलीप जोशी

तारक मेहता छोड़ने की दी धमकी, एक्टर पर फेंकी गई कुर्सी

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल के किरदार से घर-घर मशहूर हो चुके दिलीप जोशी इस शो से पहले करीब डेढ़ साल तक बेरोजगार रहे थे। सलमान खान के साथ 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन', शाहरुख खान के साथ 'वन 2 का 4' और 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' जैसी फिल्में करने के बाद भी दिलीप को उनके मन मुताबिक काम नहीं मिल रहे थे। एक्टिंग में करियर बनाने से पहले दिलीप पार्टनरशिप में ट्रैवल एजेंसी चलाते थे, लेकिन 5 साल के बाद उनका इस काम से मन ऊबने लगा। वो बचपन से थिएटर करते थे। इसलिए उन्होंने टीवी और फिल्मों में एक्टिंग करने के बारे में सोचा, लेकिन एक्टिंग लाइन बहुत इनसिक्योर थी। इसलिए वे ट्रैवल एजेंसी का काम छोड़कर एक्टिंग के लिए हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। एक दिन उन्होंने अपने मन की बात पत्नी जयमाला जोशी को बताई। उनकी पत्नी ने सारी बात सुनी और कहा कि आप जो करना चाहते हैं करिए। पत्नी की ये बात सुनकर दिलीप की हिम्मत बढ़ी। उन्होंने वह काम छोड़ा और एक्टिंग में करियर बनाने के लिए निकल पड़े। दिलीप जोशी आज छोटे परदे के सबसे लोकप्रिय सितारे हैं।

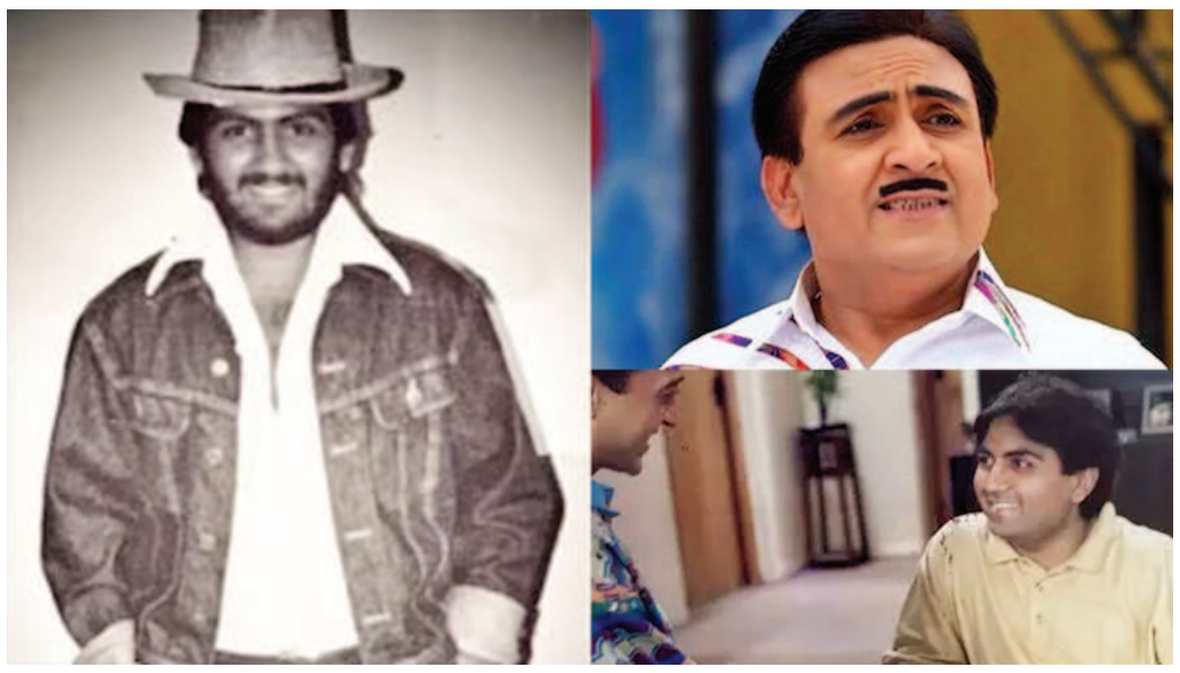

फिल्म या टीवी में काम के बारे में नहीं सोचा था

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल का किरदार मिलने के बाद दिलीप जोशी की जिंदगी बदल गई। हालांकि, उन्होंने बचपन में फिल्म या टीवी में एक्टर बनने के बारे में नहीं सोचा था। बचपन से ही उनका झुकाव रंगमंच की तरफ जरूर था। इसलिए वो रंगमंच से जुड़ गए। जहां एक नाटक में काम करने के सिर्फ 450 रुपए मिलते थे, लेकिन इतने में गुजारा करना संभव नहीं था। इसलिए दिलीप ने आजीविका चलाने के लिए पार्टनरशिप में ट्रैवल एजेंसी खोल ली। वहां वे सुबह 9 से रात 9 बजे तक काम करते थे, पर धीरे-धीरे उनका मन इस काम से ऊबने लगा था।

कम उम्र में ही हो गई सगाई और शादी

दिलीप जोशी की शादी बहुत ही कम उम्र में हो गई थी। एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने अपनी शादी के बारे में बताया था। दिलीप ने कहा था- बालिका वधू टाइप हमारी शादी की कहानी है। मैं 18 साल का था और मेरी पत्नी जयमाला 14 साल की थीं, तब हमारी सगाई हो गई थी। जब मेरी पत्नी 18 साल की हुई, तब मैंने शादी कर ली। उस वक्त मैं 22 का हो गया था।

पत्नी से मिली एक्टिंग में करियर बनाने की हिम्मत

ट्रैवल एजेंसी का जिक्र करते हुए दिलीप जोशी कहते हैं- 5 साल तक ट्रैवल एजेंसी चलाने के बाद मैंने तय कर लिया कि इस काम के लिए नहीं बना हूं, लेकिन इसे छोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। दूसरा काम आता नहीं था और एक्टिंग लाइन बहुत इनसिक्योर थी। अगर पत्नी ने एक्टिंग में करियर बनाने की हिम्मत नहीं दी होती तो आज एक्टर के रूप में सफल नहीं होता।

पत्नी ने कहा- हमें कौनसा करोड़पति बनना है

दिलीप कहते हैं- एक्टिंग को लेकर मन में बहुत दुविधा थी। दिमाग में कई तरह के सवाल चल रहे थे। एक दिन मैंने पत्नी से कहा कि मैं एक्टिंग करना चाहता हूं, लेकिन वो लाइन बहुत इनसिक्योर है, काम मिल भी सकता है और नहीं भी।

राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म से डेब्यू

दिलीप जोशी ने राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के नौकर रामू की छोटी सी भूमिका निभाई थी। इस फिल्म से उन्हें कुछ खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद उन्हें राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म की फिल्म 'हम आपके हैं कौन हैं' में सलमान खान के साथ दूसरी बार काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में दिलीप ने भोला का किरदार निभाया था। इस किरदार को खूब पसंद किया गया। फिर भी लंबे समय तक दिलीप जोशी बेरोजगार रहे।

लगा कि अब लाइफ सेट हो गई

एक इंटरव्यू के दौरान दिलीप जोशी ने कहा था- मेरी बेटी का जन्म 1992 में हुआ था। उस समय मेरे बैंक अकाउंट में 25 हजार रुपए थे। उसमें से करीब 13 हजार रुपए अस्पताल में खर्च हो गए। तब मेरे पास बस कुछ नाटक थे। मुझे प्रति नाटक लगभग 450 रुपए मिलते थे। मुझे हम आपके हैं कौन मिली और फिर मुझे लगा कि जिंदगी सेट हो गई है। वो फिल्म आई और सुपरहिट हो गई, लेकिन उसके बाद भी कोई काम नहीं मिला ।

काम के लिए किसी का फोन नहीं आ रहा था

'हम आपके हैं कौन' के बाद दिलीप ने 'वन टू का फोर', 'हमराज', 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी', जैसी कुछ फिल्मों में काम किया। वह कहते हैं- उसी दौरान मैं एक शो कर रहा था, वह अचानक बंद हो गया। उसके बाद लाइफ में ऐसा समय आया कि काम के लिए कोई फोन नहीं आ रहा था। मैंने सोचा कि दो बच्चे हैं, फैमिली है। खर्चे बढ़ रहे हैं और बच्चों की स्कूल की फीस भरनी है, क्या करूं अब? वह बहुत कठिन समय था। समझ में नहीं आ रहा था कि अब इस उम्र में कौन सी नई लाइन में जाऊं, क्योंकि मुझे एक्टिंग के अलावा कुछ आता भी नहीं था।

पैसों की तंगी के चलते काफी परेशान थे

कई बड़ी फिल्मों में काम करने के बावजूद दिलीप जोशी की जिंदगी मुश्किलों से भरी हुई थी। इन्हें कोई खास पहचान नहीं मिल रही थी और न ही बहुत ज्यादा काम मिल रहा था। पैसों की तंगी के चलते काफी परेशान थे और काम मांगने के लिए डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स के ऑफिसों के चक्कर लगाते रहते थे।

गुस्से में प्रोड्यूसर की कॉलर पकड़ी

बताया जाता है कि दिलीप जोशी और शो के प्रोड्यूसर असित मोदी के बीच तीखी बहस हुई थी। दिलीप ने प्रोड्यूसर का कॉलर भी पकड़ लिया था और शो छोड़ने की धमकी दी थी। दिलीप जोशी और असित मोदी के बीच झगड़ा पिछले साल अगस्त में हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिलीप जोशी, असित मोदी के पास छुट्टी मांगने के लिए गए थे, लेकिन असित मोदी उनसे बात करने से बच रहे थे। इस बात से दिलीप जोशी बुरा मान गए और झगड़ा शुरू हो गया। दोनों के बीच गरमा-गरम बहस इस कदर शुरू हो गई कि दिलीप ने असित मोदी की कॉलर पकड़ ली और उन्हें शो छोड़ने की धमकी दे डाली।

शो के ऑपरेशनल हेड ने फेंक दी थी कुर्सी

एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने बॉलीवुड ठिकाना को दिए एक इंटरव्यू में दिलीप जोशी और शो के ऑपरेशनल हेड सोहेल रहमानी के बीच झगड़े की बात बताई थी। एक्ट्रेस के मुताबिक किसी बात पर सोहेल रहमानी और दिलीप जोशी का झगड़ा हो गया था। गुस्से में सोहेल ने दिलीप जोशी की तरफ कुर्सी फेंक दी थी। तब एक्टर ने इस मिसबिहेवियर पर कहा था कि अगर सोहेल तारक मेहता... के प्रोजेक्ट से जुड़े रहे, तो वह शो छोड़ देंगे। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि सोहेल को दिलीप जोशी से दूर रखा गया था और ऐसा दो साल तक हुआ था। हालांकि, एक बयान जारी कर दिलीप जोशी ने इन सब खबरों को झूठा बताया था। उन्होंने कहा था कि इस तरह की झूठी खबरें सुनकर उन्हें दुख होता है।

भगवान के आशीर्वाद के रूप में आया तारक..

मैं ऐसा काम नहीं करना चाह रहा था, जिसे अपने परिवार के साथ बैठकर न देख सकूं। इसलिए मैंने कॉमेडी सर्कस का ऑफर ठुकरा दिया। उसके एक महीने के बाद ही मुझे 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का ऑफर मिला। इसे भगवान का आशीर्वाद मानकर स्वीकार कर लिया। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' 28 जुलाई 2008 को शुरू हुआ। इस शो मे जेठा लाल के किरदार में दिलीप जोशी को खूब सफलता मिली। 17 साल से यह शो दर्शकों के बीच लोकप्रिय है।

प्रीति जिंटा की दरियादिली : ऑपरेशन सिंदूर के बाद शहीदों के परिवारों के लिए दान किए 1 करोड़ रु., लोगों से की बढ़-चढ़कर दान करने की अपील

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा हाल ही में आर्मी वीमेंस वेलफेयर एसोसिएशन के एक इवेंट का हिस्सा बनी थीं। उन्होंने न सिर्फ इस इवेंट से इमोशनल पोस्ट शेयर की है, बल्कि शहीदों की पत्नियों के लिए 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि दान की है। प्रीति जिंटा ने हाल ही में अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से इवेंट का एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, जैसे ही मैं इंडियन आर्मी के साउथ वेस्टर्न कमांड के ऑडिटोरियम में पहुंची, मैंने हर जगह आर्मी ऑफिसर्स और जवानों के पोस्टर देखे, जिन्होंने वीरता के अवॉर्ड जीते हैं। कुछ ने इस देश के लिए अपनी जान दे दी और कुछ युद्ध के मैदान से जख्मों के निशान लेकर लौटे। ये पति, बेटे, भाई और पिता थे। वे हमारे सशस्त्र बलों का हिस्सा हैं और उन्होंने हमारे कल के लिए अपना आज कुर्बान कर दिया। आगे प्रीति लिखती हैं, हम उन्हें कभी जान नहीं पाएंगे। कई उन्हें कभी नहीं सुन सकेंगे या उनके

बारे में नहीं सोच पाएं, याद नहीं कर सकेंगे। शायद हम बातचीत में उनका जिक्र करेंगे, उनकी वीरता की तारीफ करेंगे और फिर अपने जीवन में लौट जाएंगे। ये दुखद सच्चाई और जोर से लगती है जब मैं इवेंट में पहुंचकर अपने चेहरे में हंसी लाने की मशक्कत करती हूं। इस इवेंट में मैं उन महिलाओं से मिली जो इन पुरुषों को हर दिन और हर पल याद करती हैं। मैं उनके बच्चों से मिली और मैंने उनकी मुस्कान देखी। कोई शिकायत नहीं थी और कोई आंसू नहीं थें। बस गर्व, ताकत और बलिदान था।

आखिर में प्रीति ने लिखा, मैं आपकी सेवा और आपके बलिदान के लिए धन्यवाद कहने के लिए एक छोटा सा योगदान लेकर आई थी। मैं चाहती थी कि उन्हें पता चले कि उन्हें भुलाया नहीं गया है और हम हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। मैं जानती हूं कि मेरा देश सुरक्षित हाथों में है जब तक ऐसे हीरो हमारी रक्षा कर रहे हैं। मैंने अपना काम कर दिया है मैं दिल से आशा करती हूं कि आप सभी किसी तरह हमारी सेना के परिवारों के लिए फंड दें।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

राजस्थान में 8वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी

96.66 प्रतिशत रहा परिणाम, लड़कों से आगे रहीं लड़कियां

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में आठवीं बोर्ड का रिजल्ट जारी हो गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पाली जिले के रानी ब्लॉक से परीक्षा परिणाम जारी किया। दिलावर रानी स्थित डीओआईटी के ऑफिस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जयपुर स्थित शिक्षा संकुल से जुड़े। रिजल्ट जारी करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया- इस साल 12 लाख 22 हजार 369 बच्चे पास हुए हैं। कुल 96.66 प्रतिशत परिणाम रहा। 8वीं बोर्ड के रिजल्ट में छात्राओं ने बाजी मारी है। छात्राओं का रिजल्ट 97.24 प्रतिशत रहा, जबकि छात्रों का रिजल्ट 96.14 प्रतिशत रहा। छात्रों की तुलना में छात्राओं का रिजल्ट 1.10% ज्यादा रहा। सीकर, दौसा, अजमेर, नागौर और चूरू जिले का रिजल्ट सबसे ज्यादा रहा, जबकि धौलपुर, बारां, पाली, चित्तौड़गढ़ और करौली जिले का रिजल्ट सबसे खराब रहा।

19.65 प्रतिशत स्टूडेंट को मिली ए ग्रेड

ग्रेड वाइज बात करें तो 19.65% स्टूडेंट ने 81 से लेकर 100% तक नंबर हासिल किए। इन्हें ए ग्रेड में शामिल किया है। इन स्टूडेंट की कुल संख्या 2 लाख 48 हजार 542 है। इसी तरह ग्रेड क्र में 52.38% स्टूडेंट आए हैं। इन्हें 61 से लेकर 80 फीसदी तक नंबर मिले हैं।

इन स्टूडेंट की संख्या पूरे प्रदेश में 6 लाख 62 हजार 367 है। ग्रेड सी में 24.46% स्टूडेंट आए हैं। इन स्टूडेंट की कुल संख्या 3 लाख 9 हजार 317 है। ग्रेड डी में 0.17% स्टूडेंट आए हैं। इनकी कुल संख्या 2 हजार 143 है। 41 हजार 368 स्टूडेंट के सप्लीमेंट्री आई है।

12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी थे रजिस्टर्ड

इस सेशन में 8वीं बोर्ड की परीक्षा 20 मार्च से 2 अप्रैल तक हुई थी। इस परीक्षा में कुल 12 लाख 64 हजार 618 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय की ओर से ली गई इस परीक्षा का संचालन जिलों में डाइट्स के माध्यम से किया गया। कॉपी चेकिंग का काम भी डाइट्स के स्तर पर हुआ। परिणाम विभागीय पोर्टल शाला दर्पण एवं पीएसपी पर कम्प्यूटर जनरेटेड ग्रेड शीट के माध्यम से देख सकते हैं।

8वीं के बाद आएगा पांचवीं बोर्ड रिजल्ट

आठवीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित होने के बाद 5वीं बोर्ड का परिणाम जारी होगा। इसके लिए तारीख अभी तय नहीं हो पाई है, लेकिन इसी सप्ताह में ये रिजल्ट भी आ जाएगा। दरअसल, दोनों क्लास का एक साथ रिजल्ट देने पर कम्प्यूटर सिस्टम बिगड़ जाता है। इसलिए इस बार दोनों का अलग-अलग दिन रिजल्ट जारी होगा।

बीजेपी का बस चले तो तिरंगा खत्म कर दें आरएसएस के झंडे को राष्ट्रीय ध्वज बना दें : गहलोत

बढ़ता राजस्थान

बाड़मेर। बाड़मेर में सेना के सम्मान में कांग्रेस की जयहिंद सभा में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी-आरएसएस पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा- तिरंगा आपने कब अपनाया, आप तो तिरंगे के खिलाफ थे। नागपुर में आरएसएस का हेड क्वार्टर है। वहां 80 साल से तिरंगा नहीं लगा। तिरंगा की आन-बान शान क्या होती है, इन्हें एहसास नहीं है। उन्होंने कहा- जयपुर में बीजेपी के नेता रैली में चलते हुए तिरंगे से मुंह पोंछ रहे हैं। ये पैरों से कुचल रहे थे। इनका बस चले तो तिरंगा खत्म कर दे और आरएसएस के झंडे को राष्ट्रीय झंडा बना दे। गहलोत ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर पर कहा- अचानक से युद्ध विराम क्यों किया गया। अगर बात चल रही थी तो देश को पता होना चाहिए था। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्वीट किया और विराम लग गया। अमेरिका पंचायती करने वाला कौन है। उन्होंने कहा- सीजफायर को लेकर खतरनाक खेल हो गया। ट्रंप पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा- क्या हिंदुस्तान की रक्षा के सवाल नहीं पूछे जाने चाहिए? ये सवाल पीएम से नहीं तो किससे पूछें? सवाल पूछा जाना राष्ट्रधर्म है। उन्होंने कहा- जब पाकिस्तान आंतकवादी भेज रहा था तो उसे इस्लाम से 10 हजार करोड़ कैसे मिल गए? भारत सरकार ने इसे रोकने के लिए क्या किया? यह सभा सेना के समर्थन में है, सेना को मजबूत करने के लिए है। साथ ही ये सभा जिम्मेदारों से सवाल पूछने के लिए भी है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा- कई आतंकी पाकिस्तान में बिरयानी खा रहे हैं। क्या ऐसे आतंकियों को हमें सौंपेगा ताकि हम बाड़मेर में खंभा गाड़कर उन्हें फांसी पर लटका सकें। क्या पाकिस्तान हमें सौंपेगा?

सुरजेवाला बोले- पीएम बताएं युद्ध विराम किस समझौते पर हुआ : कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा- पीएम यह बताएं कि युद्ध विराम किस समझौते पर हुआ। 10 मई को सीजफायर हुआ उसी दिन पाक ने गोले दागे। 12 मई को भी पाकिस्तान ने ड्रोन भेजे। इस सीजफायर की शर्तें क्या हैं, ये पीएम बताएं। उन्होंने कहा- क्या पाक ने कहा है कि सीजफायर का उल्लंघन नहीं होगा। क्या पाक में टेरर कैंप खत्म होंगे।

रणदीप सुरजेवाला बोले- पीएम की चुप्पी बताती है कि दाल में काला है

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा- पीएम की चुप्पी यह बताती है कि दाल में काला है। पीएम ने नहीं कहा कि अमेरिका झूठ बोल रहा है। इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन की हेकड़ी निकाल दी थी।

उन्होंने कहा- पीएम मोदी घबरा क्यों रहे हैं। सेना तो डरती नहीं। फिर पीएम अमेरिका से क्यों डर रहे हैं। सामने आएं और कहें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं।

आर्टिस्ट इन रेसिडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत मधुबनी और गोंड चित्रकला के कलाकारों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में कलाकारों के निवास कार्यक्रम के अंतर्गत कलाकारों के एक समूह ने आज (26 मई, 2025) राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। आर्टिस्ट इन रेसिडेंस कार्यक्रम - कला उत्सव में भारत के पारंपरिक कला प्रारूपों को उनके मूल स्वरूप में प्रदर्शित किया जाता है। राष्ट्रपति भवन में यह कला उत्सव भारत के उन लोक, आदिवासी और पारंपरिक कलाकारों को एक मंच प्रदान करता है, जिन्होंने पीढ़ियों से कला के विभिन्न प्रारूपों को सहेज रखा है।

आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश की गोंड चित्रकला और बिहार की मधुबनी चित्रकला के कलाकार 20 से 27 मई 2025 तक राष्ट्रपति भवन में रह रहे हैं। इनमें मधुबनी चित्रकला की कलाकार शांति देवी, अंबिका देवी, मनीषा झा, प्रीति कर्ण, रंजन पासवान, शांति देवी, उर्मिला देवी, श्रवण पासवान,

कुमारी नलिनी शाह और मोती कर्ण तथा गोंड कलाकार दुर्गाबाई व्याम, सुभाष व्याम, ननकुसिया श्याम, राम सिंह उर्वेती, दिलीप श्याम, चंपाकली, हीरामन उर्वेती और जापानी श्याम धुर्वे शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कलाकारों द्वारा राष्ट्रपति भवन में प्रवास के दौरान बनाई गई पेंटिंग्स का अवलोकन किया।

ऑपरेशन सिंदूर का लोहा दुनिया ने माना : उपराष्ट्रपति

बढ़ता राजस्थान

नरसिंहपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सरकार पहलगाम आतंकी हमले का जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया है। इसका लोहा दुनिया ने भी माना है। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पूरा देश राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लौह पुरुष की तरह फैसला लिया। उपराष्ट्रपति ने सोमवार को नरसिंहपुर में कृषि समागम मेले का उद्घाटन किया।

इस दौरान उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री नारायण कुशवाह, गोविंद सिंह राजपूत, माया नरोलिया भी मौजूद रहे।

अपेक्स यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आयोजित

ऑपरेशन सिंदूर से भारत की विश्वभर में गरिमा बढ़ी, सेना के शौर्य पर देश को नाज : राज्यपाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा जीवन को गढ़ती है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की शिक्षा प्रसार में महती भूमिका है। वे राष्ट्रोत्थान में सहभागी बनते हुए गुणात्मक शिक्षा के प्रसार के संवाहक बनें। राज्यपाल श्री बागड़े सोमवार को अपेक्स यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पश्चिम के ज्ञान से आरंभ से ही बहुत आगे रहा है। पर अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने हमे हमारे ज्ञान से निरंतर दूर किया है। उन्होंने भास्कराचार्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के बारे में न्यूटन से पहले उन्होंने बता दिया था। उन्होंने कहा कि भारत ने ही दशमलव का ज्ञान पूरे विश्व को दिया। इसी से संसार को गिनती आई। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता से ओतप्रोत संस्कारमय समाज का निर्माण करने वाली है।

प्रदेश के 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

गर्मी के कारण बुजुर्ग ने दम तोड़ा, उमस ने किया परेशान, बाड़मेर में पारा 45.2 डिग्री

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में आंधी-बारिश के बाद गर्मी-उमस से लोगों की परेशानी बढ़ गई। बीकानेर में गर्मी से बुजुर्ग की मौत हो गई। सोमवार को जयपुर, सीकर, अलवर, डूंगरपुर, सिरोही, चूरू, नागौर समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सोमवार को सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही, जहां तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू, सीकर, जयपुर समेत कई शहरों में सोमवार को ह्यूमिडिटी लेवल 60 से 80 फीसदी या उससे ऊपर दर्ज हुआ। वहीं, मौसम विभाग ने 27 मई को 4 जिलों में तेज गर्मी का येलो अलर्ट, जबकि 16 जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहा। अधिकांश शहरों में आसमान साफ रहा और दिन में धूप रही। जयपुर, कोटा, उदयपुर संभाग के जिलों में दोपहर में बादल छाए। उदयपुर, सिरोही, बांसवाड़ा के एरिया में देर शाम को कुछ जगह बूंदाबांदी हुई। इससे पहले बाड़मेर, चित्तौड़गढ़, कोटा, जोधपुर, फलोदी में तेज गर्मी रही।

कोटा में गर्मी से हाल बेहाल

कोटा में तेज गर्मी में लोगों का हाल बेहाल है। सुबह से तेज धूप और गर्म हवा ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है। दोपहर तक चिलचिलाती धूप के कारण मुख्य बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। कोटा में आज अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां जगह-जगह लोगों के पानी पीने की व्यवस्था की गई है।

जयपुर में उमस, पारा 39 डिग्री

जयपुर में सोमवार को मौसम शुष्क रहा। दिन में कुछ जगह बादल छाए। दिनभरउमस रही और ह्यूमिडिटी का लेवल दिन में 60 फीसदी रहा। जयपुर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अलवर में भी अधिकतम तापमान 34 .6 डिग्री सेल्सियस और ह्यूमिडिटी का लेवल 80 फीसदी रहा। इसी तरह चूरू में अधिकतम तापमान 38 .5 डिग्री सेल्सियस और ह्यूमिडिटी लेवल 78 पर दर्ज हुआ।

उदयपुर में सबसे ज्यादा बरसात

राजस्थान में पिछले 24 घंटे में उदयपुर जिले के कोटड़ा में 15 एमएम, गोगुंदा में 10, खेरवाड़ा में 7, गिर्वा में 5 एमएम बारिश हुई। बाड़मेर के चोहटन में 5 एमएम, जालोर के जसवंतपुरा में 5 और भीनमाल में 3 एमएम बारिश हुई। वहीं, प्रतापगढ़ में 3 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई। डूंगरपुर के कनवा और धौलपुर के बाड़ी में 3-3 एमएम बारिश हुई। भरतपुर जिले के रूपबास और बयाना में 2-2 एमएम बारिश हुई।

सबसे ज्यादा तापमान फलोदी का रहा

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में अधिकांश जगह गर्मी कम रही। सबसे ज्यादा दिन का तापमान फलोदी में 45 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बाड़मेर में रविवार को अधिकतम तापमान 43 .8 डिग्री सेल्सियस, जैसलमेर में 43 .4, जोधपुर में 42 .3, कोटा में 43, वनस्थली (टोंक) में 41 .2, भीलवाड़ा में 40 .8, चित्तौड़गढ़ में 41 .9, बीकानेर में 42, जालोर में 41 .5 और पाली में 41 .7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। शेष सभी शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। देर शाम को उदयपुर, राजसमंद, सिरोही और उसके आसपास के एरिया में मौसम में बदलाव हुआ। यहां आंधी चलने के बाद आसमान में बादल छाए और कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई।

अजमेर में बुजुर्ग महिला की मौत

अजमेर जिले में श्रीनगर के पास जिलावड़ा में रविवार देर रात आंधी के वजह से लोहे के शेड और घर की दीवार गिर गई। इससे घर के बाहर सो रही बुजुर्ग महिला घायल हो गई। महिला की इलाज के दौरान हॉस्पिटल में मौत हो गई। श्रीनगर थानाधिकारी जसवंत सिंह ने बताया जूही (75) पत्नी रियाज मोहम्मद अपने घर के कमरे के बाहर लगी हुई लोहे की शेड के नीचे खाट पर सो रही थी। इस दौरान तेज आंधी से शेड व घर की दीवार गिर गई। इसकी चपेट में जूही आ गई थीं।

हनुमानगढ़ में सबसे कम गर्मी

रविवार दिन का सबसे कम तापमान 32 .5 डिग्री सेल्सियस हनुमानगढ़ में दर्ज हुआ। यहां कल 53रूरू(2 इंच से ज्यादा) बरसात दर्ज हुई। इस कारण यहां अनाज मंडियों में रखा गेहूं, सरसो समेत अन्य अनाज गीला हो गया। पिलानी में भी रविवार को 2 इंच बरसात हुई।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)